News Dhamaka
Digital Edition

न्यूज धमाका

पाइए खबरों की अपडेट सबसे पहले

वर्ष 02 अंक 253 पृष्ठ 8 जमशेदपुर, शुक्रवार 15 अगस्त 2025

Email.newsdhamaka4@gmail.com / epaper for news portel -newsdhamaka.com

शुभकामना

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, अभिकर्ताओं एवं बंधुओं को 'न्यूज धमाका' परिवार की ओर से ढेर सारी शुभकामनाएं।

● संपादक

सूचना

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर 'न्यूज धमाका' कार्यालय एवं प्रेस 15 अगस्त को बंद रहेंगे। अतः पाठकों को अगला अंक रविवार 17 अगस्त को मिलेगा।

● प्रबंधक

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवसः 'अनगिनत लोगों की ओर से झेले गए उथल-पुथल और दर्द को याद करने का दिन- पीएम मोदी

नई दिल्ली । विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर मार्मिक पोस्ट किया। उन्होंने लिखा है कि भारत इतिहास के दुखद अध्याय के दौरान अनगिनत लोगों की ओर से झेले गए उथल-पुथल और दर्द को याद करते हुए आज के दिन को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में याद करता है। यह उनके साहस का सम्मान करने का भी दिन है, अकल्पनीय क्षति का सामना करने और फिर भी नए सिरे से शुरुआत करने की ताकत पाने की उनकी क्षमता का सम्मान करने का दिन है। प्रभावित हुए कई लोगों ने अपने जीवन का पुनर्निर्माण किया और उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं।

79वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम संबोधन

भारत आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने के मार्ग पर अग्रसर : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत एक आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने की राह पर है और 2047 तक एक विकसित अर्थव्यवस्था बनने के लिए पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है।

मुर्मू ने 79वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा कि देश की अर्थव्यवस्था अच्छी स्थिति में है, महंगाई नियंत्रण में है और निर्यात बढ़ रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा, विदेशी शासन के लंबे वर्षों के बाद, स्वतंत्रता के समय भारत भीषण गरीबी में था। लेकिन उसके बाद के 78 वर्षों में, हमने सभी क्षेत्रों में असाधारण प्रगति की है। भारत एक आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने की राह पर है और पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आर्थिक क्षेत्र में, भारत की उपलब्धियां और भी उल्लेखनीय हैं। पिछले वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इससे भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बन गया।

मुर्मू ने कहा, वैश्विक अर्थव्यवस्था में तनाव के बावजूद, घरेलू मांग तेजी से बढ़ रही है। मुद्रास्फीति काबू में है। निर्यात बढ़ रहा है। सभी प्रमुख संकेतक अर्थव्यवस्था की मजबूती की ओर इशारा कर रहे हैं। उन्होंने आर्थिक मोर्चे पर उपलब्धियों का श्रेय सूझबूझ के साथ किए गए सुधारों, कुशल आर्थिक प्रबंधन, किसानों की कड़ी मेहनत और समर्पण को दिया।

मुर्मू ने कहा, सामाजिक क्षेत्र में किए गए उपायों के साथ चौतरफा आर्थिक वृद्धि ने भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने की राह पर अग्रसर कर दिया है। अमृत काल में राष्ट्र के आगे बढ़ने के साथ, मैं देखती हूं कि हम सभी अपनी क्षमता के अनुसार योगदान दे रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में

बादल फटने से 38 लोगों की मौत

120 लोग अबतक बचाए गए

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के एक सुदूर पहाड़ी गांव में बृहस्पतिवार को बादल फटने से सीआईएसएफ के दो जवानों समेत कम से कम 38 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य के अब भी फंसे होने की आशंका है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है और अब तक 120 लोगों को बचा लिया गया है जिनमें 38 की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्होंने बताया कि मृतकों में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के दो जवान भी शामिल हैं।

अधिकारियों ने बताया कि बड़े पैमाने पर राहत एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है जिसमें राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), पुलिस, सेना और स्थानीय स्वयंसेवक सहयोग कर रहे हैं।

अधिकारियों ने बताया कि मचैल माता मंदिर जाने वाले रास्ते के चशोती गांव में यह आपदा अपराह्न 12 बजे से एक बजे के बीच आई। हादसे के समय मचैल माता यात्रा के लिए बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हुए थे।

साढ़े नौ हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित मचैल माता मंदिर तक जाने के लिए श्रद्धालु चशोती गांव तक ही मोटर वाहन से पहुंच सकते हैं, उसके बाद उन्हें 8.5 किलोमीटर की पैदल यात्रा करनी होती है।

चशोती गांव किश्तवाड़ शहर से लगभग 90 किलोमीटर दूर है। यहां श्रद्धालुओं के लिए लगाया गया एक लंगर (सामुदायिक रसोईघर) इस घटना से सबसे ज़्यादा प्रभावित हुआ। बादल फटने के कारण अचानक बाढ़ आ गई और दुकानों एवं एक सुरक्षा चौकी सहित कई इमारतें बह गईं।

हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में बादल फटने से प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद लोगों को हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में बादल फटने और बाढ़ से प्रभावित सभी लोगों के प्रति मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं हैं। स्थिति पर कड़ी नज़र रखी जा रही है। बचाव और राहत अभियान जारी है।

भारतीय गोताखोर समुद्र में 5,000 मीटर की गहराई तक गया

नई दिल्ली/भाषा। शुभांशु शुक्ला के अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर पहुंचने वाले पहले भारतीय बनने के करीब महीने भर बाद, भारत ने इस माह की शुरुआत में अपनी तरह के पहले अभियान में एक गोताखोर को समुद्र में 5,000 मीटर की गहराई तक भेजा।

भारत के महत्वाकांक्षी 'डीप ओशन मिशन' की तैयारी के तहत, फ्रांस के साथ साझेदारी में दो भारतीयों ने पांच और छह अगस्त को फ्रांसीसी पनडुब्बी ''नॉटाइल'' में उत्तरी अटलांटिक महासागर में एक-एक गहरा गोता सफलतापूर्वक लगाया।

'सबूत दें, वोट चोरी' जैसे शब्दों का इस्तेमाल न करें : निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं के आंकड़ों में कथित हेराफेरी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लगातार हमलों के बीच बृहस्पतिवार को कहा कि 'वोट चोरी' जैसे गंदे शब्दों का इस्तेमाल करके झूठे विमर्श गढ़ने के बजाय सबूत दिए जाने चाहिए।

आयोग ने एक बयान में कहा कि एक व्यक्ति एक वोट का कानून 1951-1952 में हुए पहले चुनावों से ही अस्तित्व में है।

बयान में कहा गया है, यदि किसी के पास इस बात के सबूत हैं कि किसी व्यक्ति ने किसी चुनाव में दो बार मतदान किया है, तो उसे भारत के सभी मतदाताओं को बिना किसी सबूत के 'चोर' बताने के बजाय लिखित हलफनामे के साथ वे सबूत आयोग के साथ साझा करने चाहिए।

बयान में आगे कहा गया है कि भारतीय मतदाताओं के लिए वोट चोरी जैसे गंदे वाक्यांशों का उपयोग करके झूठा विमर्श गढ़ने की कोशिश करना न केवल करोड़ों भारतीय मतदाताओं बल्कि लाखों चुनाव कर्मचारियों की ईमानदारी पर भी सीधा हमला है।

एक नजर

सीजीपीसी ने सर्वधर्म प्रार्थना सभा में भाग लेकर झारखंड जनक शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की

जमशेदपुर / कझारखंड जनक दीसोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि देने के लिए विधायक मंगल कालिंदी द्वारा आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभा में सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी एवं विभिन्न गुरुद्वारा कमेटी के पदाधिकारी ने भाग लिया। इस मौके पर ज्ञानी अमृतपाल सिंह ने गुरु महाराज के समक्ष अरदास की स्वर्गीय शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि देने वालों में मुख्य रूप से सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान भगवान सिंह चेयरमैन सरदार शैलेंद्र सिंह बिल्डिग निर्माण कमेटी के प्रमुख सुरेंद्र पाल सिंह टीटू महासचिव गुरचरण सिंह बिला प्रधान सुरेंद्र सिंह प्रधान प्रकाश सिंह प्रधान जगजीत सिंह गांधी गुरमेल सिंह गुरजिंदर सिंह पिंटू प्रधान लखविंदर सिंह प्रधान सुखविंदर सिंह मिट्ठू प्रधान मलकीत सिंह हरदीप सिंह चनिया प्रधान इंद्रजीत सिंह प्रधान रविंद्र सिंह पतवंत सिंह अवतार सिंह राजा ज्ञानी कुलदीप सिंह गुरदीप सिंह लाडी जसवंत सिंह जसु सुखदेव सिंह बिट्टू सुखदेव सिंह पनेसर हरदीप सिंह दीपी सरबजीत सिंह ग्रेवाल प्रधान अमरजीत सिंह जगजीत सिंह भाटिया विक्की सिंह आदि कई लोग शामिल थे।

एम.जी.एम अस्पताल ो 40 वर्ष पुराना हनुमान मंदिर हिंदू आस्था का प्रतीक, मंदिर तोड़ने पर विहिप बजरंगदल ने दी कडी चेतावनी

जमशेदपुर : साकची के पुराने एम.जी.एम अस्पताल के मंदिर परिसर मे प्रवेश द्वार के समीप ही पुराना हनुमान मंदिर और पीपल वृक्ष को हटाने की जानकारी मिलते ही विश्व हिन्दू परिषद-बजरंगदल जमशेदपुर महानगर की टीम जिलाध्यक्ष अजय गुप्ता की अध्यक्षता मे अस्पताल परिसर पहुंचकर वहां निर्माण कार्य करवा रहे अधिकारियों को कडा विरोध जताया और विहिप सिंहभूम विभाग मंत्री अरूण सिंह ने बताया कि अस्पताल परिसर के अंदर निर्माण कार्य से किसी भी जनमानस और स्थानीय लोगों को कोई परेशानी नही है, पर 40 वर्ष पुराना पूजित हनुमान मंदिर हमारी आस्था का पवित्र प्रतीक है और इस मंदिर को तोडने और पीपल वृक्ष जहां ये मंदिर है उसे काटा तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जायेगा विहिप इस मामले पर चुप नही बैठेगी कि मंदिर को तोडा जाये , इसलिए वहां मौजूद अधिकारियों के समक्ष विहिप जमशेदपुर महानगर ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है और इस मामले पर विहिप गंभीरतापूर्वक हनुमान मंदिर पर नजर रखेगी कि मंदिर तोडा न जाये, अगर मंदिर सुरक्षित रखने की विहिप की मांग को वहां काम करा रहे अधिकारी और प्रशासन नही मानती है तो विहिप चरणबद्ध तरीके से आंदोलन करने के लिए सड़क पर उतरेगी , मौके पर विहिप सिंहभूम विभाग मंत्री अरूण सिंह, जिला से अध्यक्ष अजय गुप्ता, मंत्री चंद्रिका भगत, बजरंगदल संयोजक चंदन दास, गौरक्षा प्रमुख मनीष सिंह, मानगो प्रखंड अध्यक्ष दिलीप श्रीवास्तव, टेल्को प्रखंड से विश्वनाथ, प्रोबीर संग दर्जनों विहिप कार्यकर्तागण उपस्थित रहे ।

ए पी आर नायर की स्मृति में आयोजित रक्तदान शिविर में 123 यूनिट संग्रह

जमशेदपुर : भारत के 79वें स्वतंत्रता के अवसर पर केरला पब्लिक स्कूल, मानगो ने अपने दिवंगत अध्यक्ष श्री ए.पी. आर. नायर की स्मृति में रक्तदान शिविर का आयोजन स्कूल के एक्टिविटी हॉल में किया। यह शिविर सेवा और सामुदायिक कल्याण के प्रति उनकी आजीवन प्रतिबद्धता का सम्मान करता है। इस पहल में कर्मचारियों, अभिभावकों, पूर्व छात्रों और शुभचिंतकों की भारी भागीदारी रही, जिसके परिणामस्वरूप ज़रूरतमंदों के लिए 123 यूनिट रक्त संग्रह हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. हसन इमाम मलिक उपस्थित थे, जिनके प्रेरक भाषण ने इस अवसर के पीछे की महान भावना को उजागर किया। प्रबंध समिति के सदस्य श्री मुख्तार आलम; केपीएस मानगो के निदेशक श्री शरत चंद्रन; शैक्षणिक निदेशक श्रीमती लक्ष्मी शरत; प्रधानाचार्या श्रीमती रूपा घोष; और उप-प्रधानाचार्या श्रीमती उषा राजशेखरन भी उपस्थित थीं। उनके प्रोत्साहन और सक्रिय भागीदारी ने इस कार्यक्रम को विशेष रूप से सार्थक बना दिया।अपने भाषण में, मुख्य अतिथि ने देशभक्ति को सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ जोड़ने के लिए स्कूल की सराहना की और कहा कि ₹सच्ची स्वतंत्रता दूसरों की सेवा और उत्थान में निहित है।₹ प्रशिक्षित चिकित्सा पेशेवरों की देखरेख में आयोजित इस शिविर में सभी रक्तदाताओं की सुरक्षा और आराम सुनिश्चित किया गया।विद्यालय के सभी अभिभावकों ने इस नेक कार्य में योगदान देने वाले सभी लोगों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

विश्व पटल पर गूंजेगा छठ महापर्व का गौरव - काले

- **केंद्र सरकार ने शुरू की वठएरउड सूची में शामिल करने की प्रक्रिया**

जमशेदपुर भारतीय लोक आस्था और संस्कृति का अद्वितीय पर्व छठ महापर्व अब विश्व मंच पर अपनी पहचान दर्ज कराने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बढ़ा चुका है। केंद्र सरकार ने इस पर्व को वठएरउड की Intangible Cultural Heritage (अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर) सूची में शामिल करने की प्रक्रिया औपचारिक रूप से प्रारंभ कर दी है।

झारखंड बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले ने कहा की यह हमारे पूर्वजों की परंपराओं, मातृशक्ति की आराधना, प्रकृति के प्रति सम्मान और लोकसंस्कृति की पवित्रता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता दिलाएगा। छठी मइया फाउंडेशन द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए, सरकार ने संगीत नाटक अकादमी को नोडल एजेंसी के रूप में प्रक्रिया आरंभ करने के निर्देश दिए हैं।

काले ने इस महत्वपूर्ण और सराहनीय निर्णय के लिए केंद्र सरकार, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, तथा संबंधित विभाग को हार्दिक बधाई और गहन आभार व्यक्त करता हूँ। यह पहल न केवल भारत की सांस्कृतिक धरोहर को नई ऊँचाई देगी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए छठ महापर्व की महिमा को सुरक्षित और अमर कर देगी।

बैंकों में जमा राशियों को अविलंब राज्य की समेकित निधि में जमा किया जाएःसरयू राय

जमशेदपुर/न्यूज धमाका।

जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने प्रदेश के वित्त मंत्री को एक पत्र लिख कर विभिन्न बैंकों में विभागों, प्रमंडलों एवं जिलों द्वारा जमा की गई राशियों को अविलंब राज्य की समेकित निधि में जमा कराने का आग्रह किया है।

प्रदेश के वित्त मंत्री को लिखे पत्र में उन्होंने कहा है कि अवव्हत राशि को वापस समेकित निधि में जमा करना आवशयक है। इतना ही नहीं, इन राशियों के मद में बैंक खातों में उपार्जित ब्याज के राशि को भी वापस समेकित निधि में जमा किया जाना है। इस विषय में राज्य के प्रधान महालेखाकार का स्पष्ट निर्देश भी है। ऐसा नहीं किया जाना वित्तीय अनुशासन के विरुद्ध है।

श्री राय के अनुसार, राज्य में विभिन्न विभागों, प्रमंडलों एवं जिलों में, खास कर कार्य विभागों में खर्च नहीं हो सकी राशि के आंकड़े सिविल डिपोजिट, पीएल खाता एवं लोकलेखा के विभिन्न शीर्षों में स्पष्ट रुप से परिलक्षित हो रहे हैं। वित्त विभाग ने पत्रांक 492, दिनांक 24-12-2014 के द्वारा बैंकों में रक्षित एवं अव्यवहृत राशि को संबंधित विभाग के राजस्व शीर्ष के मुख्य शीर्ष, उप मुख्य शीर्ष, लघु शीर्ष की जो निधि खर्च नहीं हो सकी और बैंकों में रखी गई है, उसे समेकित निधि में जमा करने का पत्र निर्गत किया गया था।

श्री राय ने आगे लिखा कि इस पत्र से स्पष्ट नहीं हो पा रहा था कि जो राशि बैंकों से निकाल कर समेकित निधि में जमा की जा रही है, वह राशि स्थापना व्यय की है या राज्य योजना, केंद्रीय योजना एवं केंद्र प्रायोजित योजना के राज्यांश की है या केंद्रांश की राशि है?

सरयू राय ने लिखा प्रदेश के वित्तमंत्री को पत्र

उन्होंने लिखाः विगत 09-07-2020 तता दिनांक 11-02-2022 को प्रधान महालेखाकार, झारखंड ने इस ओर राज्य सरकार का ध्यान आकृष्ट किया है। तदुपरांत राज्य सरकार के वित्त विभाग और महालेखाकार कार्यालय के बीच में विचार-विमर्श हुआ और बैंकों में पड़ी हुई अव्यवहृत राशि को राजकोष में जमा करने की स्पष्ट व्यवस्था की गई। तदनुसार, व्यवस्था बनाई गई कि बैंक खातों में जमा राजस्व मद की राशि अथवा अवशेष राशि जहां से यह राशि प्राप्त हुई है, उस विभाग का नाम एवं शीर्ष के अनुसार यह राशि समेकित निधि में जमा की जाएगी।

श्री राय ने पत्र में लिखा कि इसमें स्थापना मद की राशि राज्य योजना मद की राशि, केंद्रीय क्षेत्र योजना मद की राशि तथा केंद्र प्रायोजित योजना राशि का राज्यांश और केंद्रांश मदों में यदि अधिक या अनपेक्षित निकासी की गई है अथवा निकासी के बाद जो राशि खर्च नहीं हो पाई है, उनको इन्हीं शीर्षों के उप शीर्षों के अनुसार समेकित निधि में जमा किया जाना है। इसी तरह पूंजीगत व्यय शीर्ष के अंतर्गत भी स्थापना मद, राज्य योजना मद, केंद्र योजना मद और केंद्र प्रायोजित योजना मद के राज्यांश एवं केंद्रांश को भी पूंजीगत लेखों पर प्राप्तियों तथा वसूलियों के उप शीर्ष में समेकित निधि में जमा किया जाएगा।

श्री राय के पत्र के अनुसार, यदि बैंक खातों में जमा पड़ी राशि किस विभाग की है, यह जानकारी तो है परंतु निकासी शीर्ष की जानकारी नहीं है तो उसे संबंधित विभागों के राजस्व व्यय के मुख्य शीर्ष एवं उप मुख्य शीर्ष में वापस किया जाएगा। यदि ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई कि बैंक खातों में जमा राशि किस विभाग की है और किस शीर्ष की है, इन दोनों की जानकारी नहीं है तो विभिन्न विभागों की ऐसी राशियों को मुख्य शीर्ष विविध सामान्य सेवाएं एवं उप मुख्य शीर्ष तथा लघु शीर्ष की अधिक अदायगियों की वसूलियां शीर्ष में ऐसी राशियों को समेकित निधि में जमा किया जाएगा।

सरयू राय ने पत्र में लिखा कि महालेखाकार और राज्य सरकार के बीच हुए विचार-विमर्श में यह निर्णय भी लिया गया कि विभिन्न विभागों के द्वारा बैंक खातों में जमा राशियों के विरुद्ध उपार्जित व्यय को ब्याज को भी समेकित निधि के मुख्य शीर्ष, ब्याज प्राप्तियां, उप मुख्य शीर्ष राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों की ब्याज एवं लघु शीर्ष अव्यतित शेष पर गारंटियों से ब्याज एवं अन्य आय तथा उपशीर्ष बैंक खातों में उपार्जित ब्याज में जमा किया जाएगा।

लोयोला स्कूल में भव्य क्लाइडोस्कोप 2025 सम्पन्न चैंपियनशिप पुरस्कार लिटिल फ्लावर स्कूल को मिला

जमशेदपुर/न्यूज धमाका।

क्लाइडोस्कोप 2025 – एक भव्य अंतर-विद्यालय प्रतियोगिता का सफल आयोजन लोयोला स्कूल (बिस्टूपुर) के फेजी ऑडिटोरियम में रंगारंग कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों की छुपी हुई प्रतिभाओं को मंच देने का एक सराहनीय प्रयास था, जिसमें कक्षा 1 से 5 तक के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।इस वर्ष की प्रतियोगिता का मुख्य विषय ₹बुकवर्म्सर यानी किताबी कीड़ा था। इस थीम के माध्यम से आयोजकों का उद्देशय यह संदेश देना था कि आजकल बच्चे मोबाइल फोन, कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में इतने व्यस्त हो गए हैं कि किताबों से उनका जुड़ाव कम होता जा रहा है। प्रतियोगिता का मकसद बच्चों को पुस्तकों की अद्भुत दुनिया से दोबारा जोड़ना, पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित करना और ज्ञान की प्यास जगाना था। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि, लोयोला जूनियर सेक्शन की पूर्व वाइस प्रिंसिपल डॉ. श्रीमती पिंकी मिधा, विद्यालय के फादर रेक्टर माइकल टी. राज, प्रिंसिपल फादर विनोद फर्नांडिस, फादर जेरी, सीनियर सेक्शन की वाइस प्रिंसिपल जयंती शेषाद्री, जूनियर सेक्शन की वाइस प्रिंसिपल विनीता एफ. एक्का और विद्यालय के पूर्व छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

इसकी शुरुआत फादर रेक्टर माइकल टी. राज द्वारा प्रार्थना तथा प्रार्थना-गीत और नृत्य-प्रस्तुति से हुई। इस प्रतियोगिता में 24 विद्यालयों के 500 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कुल सात रोचक कार्यक्रम, इन कैरेक्टर झ्र कक्षा 1 और 2 के लिए परियों की कहानियों पर आधारित फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, पपेट इट अप झ्र कक्षा 3 के लिए बच्चों की कहानियों पर आधारित कठपुतली प्रतियोगिता, स्टोरी टेल झ्र कक्षा 4 और 5 के लिए कहानी सुनाने की रिले प्रतियोगिता, बुक ब्रेनिएक्स झ्र कक्षा 4 और 5 के लिए पुस्तकों और लेखकों पर आधारित क्विज़, कवर स्टोरी झ्र कक्षा 5 के लिए पुस्तक के शीर्षक के आधार पर कवर डिज़ाइन, राइम टाइम झ्र चित्र के आधार पर कविता लेखन एवं वाचन (कक्षा 5) एवं क्लासिक कुट्योर झ्र अंग्रेजी की प्रसिद्ध क्लासिक पुस्तकों पर आधारित फैशन शो (कक्षा 5) प्रतियोगिता हुई। प्रिंसिपल फादर विनोद फर्नांडिस ने बच्चों में पढ़ने की आदत विकसित करने की आवशयकता पर जोर दिया और उन्हें उपन्यास, कविताएँ और कहानियाँ लिखने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता का चैंपियनशिप पुरस्कार लिटिल फ्लावर स्कूल को मिला। प्रथम स्थान पर लोयोला स्कूल, टेल्को; द्वितीय स्थान पर डी.बी.एम.एस. इंग्लिश स्कूल और के.पी.एस. बर्माइंस रहे।

जूनियर स्कूल की उपप्रधानाचार्या श्रीमती विनीता एफ. एक्का ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए कहा कि ₹क्लाइडोस्कोप के माध्यम से हम बच्चों के ज्ञान में वृद्धि करने और उन्हें नवीन अनुभव देने का प्रयास करते हैं।

विभाजन से प्रभावित करोड़ों देशवासियों के दर्द और मर्म को समझना ही सच्ची देशभक्ति है , उन्हें सम्मान और प्यार मिले, इसका ध्यान रखना ज़रूरी : काले

यह विभाजन, उस दौर के गैरजिम्मेदार नेतृत्व के निर्णयों की सबसे बड़ी कीमत थी, जो देशवासियों को चुकानी पड़ी। आज भारतीय जनता पार्टी, जमशेदपुर महानगर द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता ने कहा कि ''हमें ऐसी घटनाओं से बहुत कुछ सीखना है, जो समाज को जागरूक करती हैं और हमें एकजुट होकर सकारात्मक बदलाव की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं।'' उन्होंने कहा कि इन घटनाओं से यह स्पष्ट संदेश मिलता है कि सामाजिक और राजनीतिक जीवन में समय पर निर्णय, पारदर्शिता और जनभागीदारी ही लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति को सशक्त बनाती है। साथ ही, उन्होंने कार्यकर्ताओं से आ''ान किया कि वे जनता की समस्याओं को प्राथमिकता देकर, निस्वार्थ भाव से जनसेवा में जुटें।प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि जब विभाजन होता है, तो उसका दर्द और मर्म केवल वही लोग समझ सकते हैं जो सीधे तौर पर उससे प्रभावित हुए हों। उनकी पीड़ा को समझना और सम्मान देना ही सच्ची देशभक्ति है। उन्होंने इस बात की कड़ी निंदा की कि कुछ नासमझ लोग ऐसे पीड़ितों को 'रिफ्यूजी' या 'पाकिस्तानी' जैसे अपमानजनक शब्दों से संबोधित करते हैं, जो न केवल निंदनीय है बल्कि अशोभनीय भी।उन्होंने कहा कि ऐसे व्यवहार से बचना चाहिए और आने वाले समय में हमें मिलकर एक सशक्त, सम्मानजनक और समावेशी समाज के निर्माण में योगदान करना होगा। काले ने स्पष्ट कहा कि ''यह विभाजन, उस दौर के गैरजिम्मेदार नेतृत्व के निर्णयों की सबसे बड़ी कीमत थी, जो देशवासियों को चुकानी पड़ी।''काले ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस अति दुर्भाग्यपूर्ण ऐतिहासिक घटना को 'विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में मना कर पूरे राष्ट्र को इसकी पीड़ा और त्रासदी से अवगत कराने का जो कार्य किया जा रहा है, वह अत्यंत सराहनीय और प्रेरणादायी है।

स्वतंत्रा दिवस की पूर्व संध्या पर वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान आज तुलसीभवन मे लोकप्रिय विधायक, झारखंड के पूर्व मंत्री, श्री सरयू राय द्वारा किया गया।

रांची में शिबू सोरेन स्मृति भवन बनाने की जरूरत : सुधीर कुमार पप्पू

जमशेदपुर। आज झारखंड मुक्ति मोर्चा द्वारा आयोजित धालभूम क्लब में श्रद्धांजलि सभा में गुरु जी को पुष्प अर्पित करते हुए समाजवादी चिंतक सह सचिव सोनारी थाना शांति समिति एवं अधिवक्ता सुधीर कुमार पप्पू ने झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक अध्यक्ष एवं झारखंड निर्माण आंदोलन के प्रणेता ढिशोम गुरु शिबू सोरेन की स्मृति में स्मृति भवन बनाने की वकालत की है। उनके अनुसार देश की आजादी से पहले मरांग गोमके स्वर्गीय जयपाल सिंह मुंडा जी ने झारखंड अलग राज्य स्थापना का स्वप्न देखा और उसके लिए पू-रा जीवन होम कर दिया। साहूकारों के अन्याय के खिलाफ जल जंगल जमीन स्वाभिमान अस्तित्व के सवाल पर छोटे से गांव नेमरा से आंदोलन की शुरुआत करने वाले शिबू सोरेन की संघर्षमय गाथा सभी को प्रेरित करने वाली है।

भूमि पुत्रों एवं सदानों को साथ लेकर जीवन भर संघर्ष कर पूर्वजों के झारखंड अलग राज्य के सपने को गुरु जी ने साकार किया। इस अधिवक्ता के मुताबिक उनकी जीवनी को झारखंड के प्राथमिक माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा में स्थान मिलना चाहिए। ऐसे महान नेतृत्व की स्मृति में स्मृति सदन बनाया जाना कहीं से भी गलत नहीं है। भावी पीढ़ी को इतिहास की जानकारी मिलेगी एवं इस लोकतांत्रिक व्यवस्था में संविधान के दायरे में रहकर संघर्ष की प्रेरणा मिलेगी।

वहां स्मृति सदन में गुरु जी के साथ-साथ झारखंड के महान नेताओं स्वर्गीय जयपाल सिंह मुंडा बागुन सुंबरई, कार्तिक उरांव, शहीद निर्मल महतो एवं अन्य नेताओं के जीवन से जुड़ी यादगार वस्तुओं को भी वहां रखे जाने की जरूरत है। इस श्रद्धांजलि सभा में पूर्व सांसद सुमन महतो साक ची थाना प्रभारी आनंद मिश्रा अधिवक्ता कुलविंदर सिंह रणजीत राम विनीता मिश्रा नलिनी सिंहां समाजसेवी पन्ना सिंह प्रदीप लाल सोनारी झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष धनंजय महतो अजय रजक अवतार सिंह सरदार मुख पाजी राहुल भट्टाचार्य डी इङ्गरी अशोक सिंह हरिदास सर्वेश कुमार इत्यादि सैकड़ो साथी उपस्थित

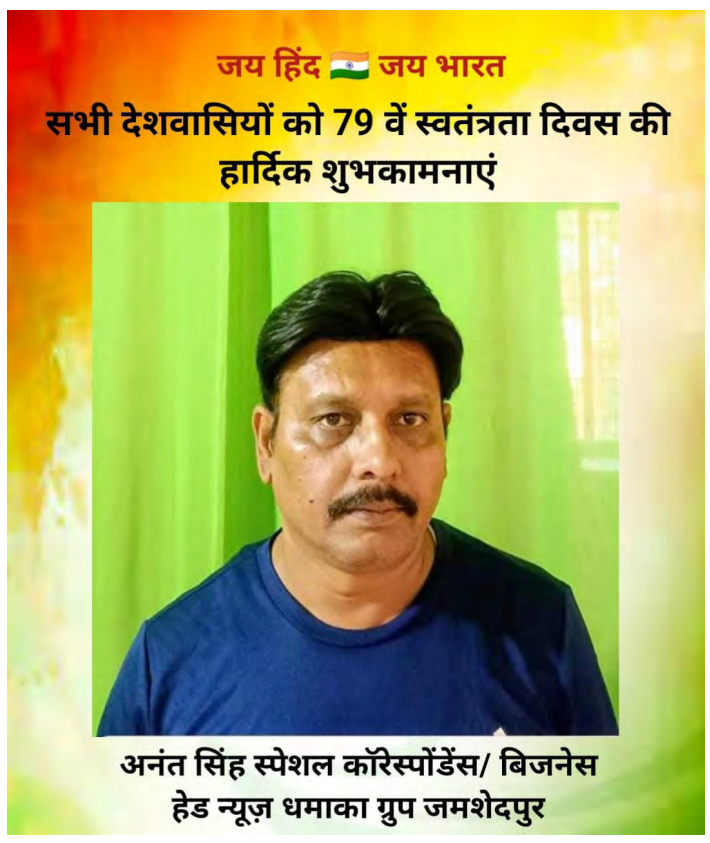

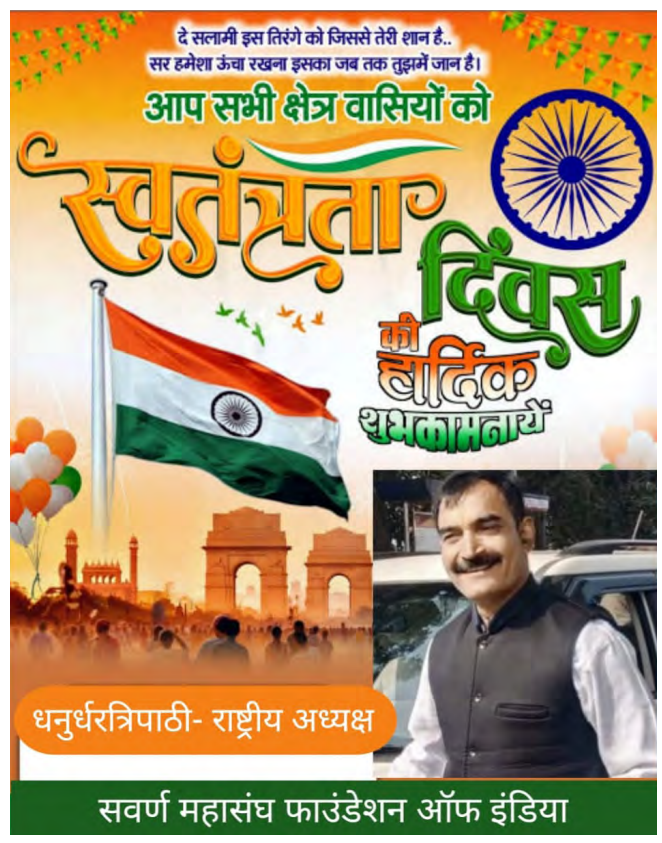

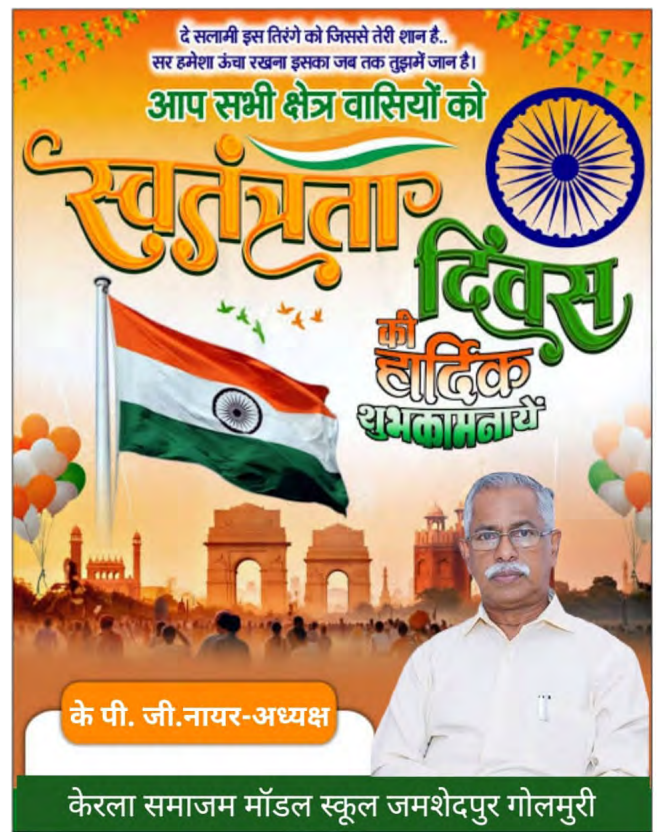

वोट चोर-गद्दी छोड़ प्रदर्शन सह कैंडल मार्च में कांग्रेस कार्यकर्त्ताओं ने आक्रोश व्यक्त किया- आनन्द बिहारी दुबे

जमशेदपुर/न्यूज धमाका।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के आ''ान पर पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस अध्यक्ष आनन्द बिहारी दुबे के नेतृत्व में ₹वोट चोर-गद्दी छोड़₹ प्रदर्शन सह कैंडल मार्च का आयोजन कांग्रेस कार्यालय तिलक पुस्तकालय से प्रारंभ होकर बिष्टूपुर पोस्टल पार्क पहुँचा। पैदल मार्च करते हुए कांग्रेस कार्यकर्त्ताओं ने निर्वाचन आयोग और भाजपा के मिली भगत से मतदान के प्रक्रिया में बड़ा हेराफेरी की गई। आम मतदाता के अधिकार को हड़पने का कार्य की गई है। इसको लेकर सडकों पर आक्रोश व्यक्त किया गया।

प्रदर्शन सह कैंडल मार्च को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष आनन्द बिहारी दुबे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का एक एक पदाधिकारी सजग हो कर वोट हेराफेरी का प्रतिकार करें। सभी कांग्रेस नेता, प्रखण्ड अध्यक्ष एवं मण्डल अध्यक्षगण अपने अपने क्षेत्र में आम जनता के बीच वोट की चोरी और अव्यवस्था का चर्चा करें। जिससे मतदान के सभी विसंगतियों को दूर करने में जन आंदोलन खड़ा की जा सके। फर्जी लोगों का नाम अनेकों बुथों में जोड़ा गया है, एक एक घर संख्या में 80 लोगों का नाम जोड़ा गया है। यही तो वोट चोरी है। कई घटना में मतदाता के पता भी नही है, पिता का नाम में हेराफेरी है। पाँच माह में लाखों करोडों वोटर को गलत

मंशा से जोड़ दिया गया है, यही तो वोट की चोरी है। एक मतदाता दो या चार बुथों में नाम दर्ज करा कर फर्जी मतदान भी कर रहें है। यह गडबड़ी कर्णाटक, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में दिख रहा है। अब हमें हर बुथों का निरीक्षण करना होगा। निर्वाचन आयोग मतदान के दिन सीसीटीवी लगाकर मतदान कराया, अब उस फुटेज को निर्वाचन आयोग कांग्रेस पार्टी को सौंपे।

फर्जी वोट करने एवं अनेको बुथों में नाम दर्ज करने वालों एवं षड्यंत्र करने वालों को जेल में डालने का काम कोर्ट सुनिश्चित करे। इसके साथ साथ वोट चोरी के दम पर बने सरकार को भी बर्खास्त करे। कांग्रेस नेता सह नेता प्रतिपक्ष राहुल गाँधी ने जन आंदोलन की शुरूआत कर दी है। लोकतंत्र को बचाने के लिए आम जनता को भी आगे आना होगा।

प्रदर्शन सह कैंडल मार्च में सर्वश्री आनन्द बिहारी दुबे, राजकिशोर यादव, ब्रजेन्द्र कुमार तिवारी, कमलेश कुमार पाण्डेय, सामंता कुमार, रियाजुद्दीन खान, ओमप्रकाश उपाध्याय, संजय सिंह आजाद, अंसार खान, अखिलेश सिंह यादव, पवन कुमार बबलू, नलिनी सिन्हा महिला अध्यक्ष, रईस रिजवी छब्बन, अतुल गुप्ता, अमरजीत नाथ मिश्रा, शिल्पी चक्रवर्ती, रेनु मिश्रा, अशोक सिंह क्रांतिकारी, सन्नी सिंह, जसवंत सिंह जस्सी, गुरदीप सिंह, जी एस पदरी, अमृत पाल सिंह, मो. शब्बीर ऊर्फ लालबाबू, लखिंदर करूवा, अक्सर इमाम, अरविंद साहू, अरूण बारीक, गीता सिंह, सुनीता, बिजय पाण्डेय, सुशील घोष, अजय कुमार दास, राजेश कुमार, धीरज कुमार, त्रिनाथ, इन्द्रजीत सिंह, प्रदीप, कुमार गौरव, मुन्ना मिश्र, अजय, रवि राज , गुलाम सरबर, इंतिखाब, कमरान, संतोष सिन्हा, किशोर प्रसाद, मृत्युंजय प्रमाणिक, कृष्णाजी पाण्डेय सहित कांग्रेसजन शामिल हुए।

एक नजर

वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे के साथ कांग्रेसियों ने किया कैंडल लाईट मार्च

चाईबासा : स्वतंत्रता दिवस के पूर्व संध्या कांग्रेस ने वोट चोर गद्दी छोड़ नारे के साथ गुरुवार देर शाम को कैंडल लाईट मार्च निकाली। प०सिंहभूम जिला मुख्यालय ,चाईबासा में कैंडल लाईट मार्च कांग्रेस जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर दास के नेतृत्व में निकाला गया। मार्च कांग्रेस भवन , चाईबासा से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख चौक - चौराहों का भ्रमण कर पुनः भवन लौटी। भाजपा के वोट चोरी के विरोध में लोकतंत्र की रक्षा के लिए मार्च में कांग्रेसजनों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया । जगन्नाथपुर के विधायक सह उप मुख्य सचेतक सत्तारुढ़ दल सोनाराम सिंकु ने कहा है कि जिस प्रकार देश के लोकतंत्र, संविधान और सांविधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है, उसके लिए देश को जागरूक करने की जरूरत है। उन्होंने कांग्रेस के सभी नेताओं तथा कार्यकर्ताओं से देशहित में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के हाथों को मजबूत करने और केंद्र की भ्रष्ट सरकार को सत्ता से बाहर करने के लिए आगे आने के लिए कहा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर दास ने कहा है कि न्याययोद्धा राहुल गांधी के वोट चोरी के खुलासे के बाद भाजपा पूरी तरह बौखलाई हुई है। कांग्रेस किसी भी सूरत में देश के लोकतंत्र, संविधान व सांविधानिक संस्थाओं से किसी भी प्रकार से खिलवाड़ सहन नही कर सकती और इसके लिए कांग्रेस पूरी मजबूती के साथ देश के लोगों के साथ खड़ी है। कैंडल लाईट मार्च में कांग्रेस जिला महासचिव कैरा बिरुवा , प्रवक्ता त्रिशानु राय , सचिव जानवी कुदादा , महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष नितिमा बारी , पूर्व जिलाध्यक्ष सन्नी सिंकु , ओबीसी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष रंजीत यादव ,युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रीतम बांकिरा , पूर्व कोषाध्यक्ष राधा मोहन बनर्जी , एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अनीष गोप , सेवादल मुख्य संगठक लक्ष्मण हासदा , अल्पसंख्यक जिला उपाध्यक्ष जहाँगीर आलम , नगर अध्यक्ष मो.सलीम , प्रखंड अध्यक्ष दिकु सावैयां , चंद्र भूषण बिरुवा , सिकुर गोप , बिजय गुप्ता , संतोष सिन्हा , राकेश सिंह , सलीम खान , शैली शैलेन्द्र सिंकु , अमृत माझी , विक्रमादित्य सुंडी , सुरसेन टोपनो , प्रताप पुरती , चरण सामड , नितिन गोप , अंशु गोप , सन्नी रॉबर्ट अंथोनी , तनवीर , हर्ष चन्द्र नाग , हरि चरण कुम्हार , सचिन बिरुवा , आशीष मोदक , सुभाष राम तुरी , सुशील दास सहित अन्य शामिल थे।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर स्वतंत्रता सेनानियों एवं उनके परिजनों को जिला प्रशासन द्वारा किया गया सम्मानित

जमशेदपुर : जिला दण्डाधिकारी-सह- उपायुक्त श्री कर्ण सत्यार्थी के निर्देशानुसार स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर जिले के स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रितों/ धर्मपत्नी को जिला प्रशासन के पदाधिकारियों ने घर जाकर सम्मानित किया । इस दौरान उन्हें अंगवस्त्र एवं मिठाई भेंट कर जिला प्रशासन की ओर से स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनायें प्रेषित की गई ।

1. श्रीमती सरोज देवी, पति स्व प्रभाष चन्द्र ठाकुर, नया बस्ती, बागबेड़ा, जमशेदपुर
2. श्रीमती सी. शुभलक्ष्मी, पति- स्व सी भी राव, राजेन्द्र नगर कॉलोनी, साकची
3. श्रीमती शैलजा सिन्हा, पति स्व कृष्णा नंद सहाय, विजया गार्डेन, बारीडीह, जमशेदपुर
4. श्रीमती नीलम शर्मा, पति-स्व अवतार सिंह, सोनारी, जमशेदपुर।

स्वतंत्रता दिवस के पूर्व संध्या पर जिला के शहीद परिवार वीर सैनिक एवं समाज मे उत्कृष्ट भूमिका निभाने वाले वरिष्ठ नागरिक हुवे सम्मानित

न्यूज धमाका।

आजादी के पूर्व संध्या पर दिनांक 14 अगस्त 2025 को सुबह 10 बजे तुलसी भवन बिष्टुपुर में सिंहभूम केन्द्रिय वरिष्ठ नागरिक समिति जमशेदपुर द्वारा वरिष्ठ नागरिकों वीर नारियां जिनके पति बेटे ने सीमा पर हँसते हँसते अपनी जान देश के लिए न्यौछावर कर दिए उनका सम्मान एवं सेना के तीनों अंगों से सेवानिवृत्त जांबाज़ सैनिकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम मुख्य अतिथि के रूप में जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय विशिष्ट अतिथि जुगसलाई के विधायक मंगल कालिंदी सम्मानित अतिथि मजदुर नेता राकेश्वर पांडेय एवं के के एडुकेशनल ट्रस्ट के अध्यक्ष विकास सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ निवेदिता श्रीवास्तव के स्वागत गीत से हुआ। विषय प्रवेश केन्द्रीय अध्यक्ष शिव पुजन सिंह ने वरिष्ठ नागरिकों की समाज में दयनीय स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि आप बुजुर्गों को अपने घर में सम्मान नहीं मिल रहा है संयुक्त परिवार टूटने से बुजुर्गों का जीवन अकेला हो गया है। बुढ़ापे में बुजुर्गों का देखभाल करने वाला कोई नहीं है। शहर में एकमात्र ओल्ड एज होम बाराद्वारी है। जिसमें मात्र 24 लोगों की व्यवस्था है। उसे बढ़ाने की आवशयकता को देखते हुवे के के एडुकेशनल ट्रस्ट के अध्यक्ष विकास सिंह ने नया ओल्ड एज होम बनाने के लिए 21 लाख अनुदान राशि देने की घोषणा की।

मुख्य अतिथि सरयू राय ने कहा कि सरकार का कुछ भवन वर्षों से बेकार खंडहर बना हुआ है। मै जिला प्रशासन से सम्पर्क कर समिति को दिलवाने की कोशिश करुंगा। मंगल कालिंदी ने उनकी बातों का समर्थन करते हुए यथासंभव मदद करने को कहा राकेश्वर पांडेय ने कहा ने कि शहर के बुद्धिजीवी वर्ग मिलकर इस समस्या के समाधान के लिए प्रयास करें तो निदान निश्चित मिलेगा। सम्मानित वरिष्ठों में हरि बल्लभ सिंह आरसी ए के श्रीवास्तव आर पी त्यागी मुरली धर केडिया अरुण तिवारी यमुना तिवारी व्यथित स्नेहलता सिन्हा डा0 डी पी शुक्ला डी के मिश्रा कन्हैया लाल अग्रवाल अवधेश पाठक यश देवी कैलाश प्रसाद यमुना तिवारी वीर नारी के रूप मेंजगमाया देवी दुर्गावती देवी सुनिता शर्मा पद्मजा राव सविता आशा सिंह

वीर सैनिक सुशील कुमार सिंह डा0 कमल शुक्ला कोमल दूबे राम जनम तिवारी नरेन्द्र कुमार रजत डे बिजेंद्र सिंह ब्रज किशोर सिंह संजय सिंह महेश कुमार हंसराज सिंह हैरी सिंह शामिल थे। ज्योति पांडेय ने शहीदों पर गीत गाकर सबको रुलाया रागिनी भूषण बुजुर्गों पर बड़ी मार्मिक गीत गाई मंच संचालन सुशील सिंह धन्यवाद ज्ञापन धन्नजय राय ने किया कार्यक्रम में रिचर्ड जे एन अग्रवाल दिनेश प्रसाद सीता सिंह अनिता सिंह मुनमुन चक्रवर्ती विनिता मिश्रा ममता सिंह मीना सिंह उमेश कुमार सिंह रमेश कुंवर दिनेश सिंह वाई पी सिंह भोला सिंह जनार्दन सिंह राघवेन्द्र प्रताप सिंह इत्यादि मौजूद थे

करीम सिटी कॉलेज के एनएसएस द्वारा 'हर घर तिरंगा रैली' निकाली गई।

जमशेदपुर 14 अगस्त 2025 / 'हर घर तिरंगा रैली'₹आजादी का अमृत महोत्सव₹ के अंतर्गत हर घर तिरंगा रैली का आयोजन करीम सिटी कॉलेज, जमशेदपुर में किया गया, जिसे राष्ट्रीय सेवा योजना (ठरर) और राष्ट्रीय कैडेट कोर (ठउउ) के संयुक्त सहयोग से संपन्न कराया गया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य लोगों में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान, देशभक्ति की भावना और एकता का संदेश फैलाना था। कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज परिसर से हुई, जहाँ एनएसएस और एनसीसी के स्वयंसेवकों ने हाथों में तिरंगा लेकर मार्च किया। रैली में छात्रों का उत्साह देखने लायक था, वे आस-पास के क्षेत्रों में लोगों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करते रहे।इस अवसर पर कॉलेज के कई सम्मानित शिक्षक उपस्थित थे, जिनमें डॉ. आले अली (एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी), सैयद साजिद परवेज़ (एनएसएस को-ऑर्डिनेटर), मेजर डॉ. फक्रुद्दीन अहमद (एनसीसी) तथा बी. एन. त्रिपाठी (प्राचार्य प्रभारी) और मोहम्मद ईसा शामिल थे। प्राचार्य महोदय ने अपने उद्बोधन में कहा कि तिरंगा हमारे सम्मान, एकता और स्वतंत्रता का प्रतीक है, और हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह इसका आदर करे। एनएसएस और एनसीसी अधिकारियों ने भी छात्रों को देश सेवा और सामाजिक योगदान के महत्व पर प्रेरणादायक संदेश दिए।कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस रैली ने न केवल छात्रों में देशभक्ति की भावना को प्रबल किया, बल्कि स्थानीय समुदाय को भी राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के प्रति जागरूक किया।

आनंद मार्ग एवं पूर्णिमा नेत्रालय के सहयोग से 4 मोतियाबिंद रोगियों का फेको सर्जरी किया गया

- **झारखंड के रहने वाले 70 वर्ष से ज्यादा उम्र के लोगों का पूर्णिमा नेत्रालय में हो रहा है फेको सर्जरी**

जमशेदपुर। आनंद मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल एवं पूर्णिमा नेत्रालय के सहयोग से 4 मोतियाबिंद रोगियों फेको सर्जरी का निशुल्क लैंस प्रत्यारोपण किया गया । दवा एवं चश्मा पहना कर उनका स्वागत किया गया।

एक नज़र

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से हजारों की संख्या में लोगों ने की मुलाकात, दी सांत्वना

- स्मृति शेष- दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी को याद कर हुए भावुक, मुख्यमंत्री ने लोगों की समस्याओं को सुना
- गुरुजी के दिखाए गए मार्ग पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी- हेमन्त सोरेन

नेमरा। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से अपने पैतृक गांव नेमरा में स्मृति शेष- दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी को श्रद्धांजलि और संवेदना प्रकट करने वालों का तांता दिनभर लगा रहा। पूरे राज्य के कोने-कोने से हजारों की संख्या में लोग मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन से मिलने पहुंचे। ग्रामीण, किसान, महिलाएं, युवा, जनप्रतिनिधि और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि सभी ने श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके संघर्ष, त्याग तथा जनसेवा के अमूल्य योगदान को याद किया।

» मुख्यमंत्री ने लोगों की समस्याएं ध्यानपूर्वक सुनीं, समाधान का दिया भरोसा

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने न केवल लोगों की सांत्वना स्वीकार की, बल्कि उनसे विस्तार से संवाद भी किया। उन्होंने ग्रामीणों और प्रतिनिधियों की समस्याओं ,स्थानीय विकास कार्यों से जुड़ी जरूरतों और शासन - प्रशासन से संबंधित मुद्दों को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित पदाधिकारियों को तत्काल कार्रवाई हेतु निदेशित किया। मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को कई मामलों में त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए और आश्वासन दिया कि आम लोगों की हर जायज़ समस्या का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा।मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिया कि ग्रामीणों और आम नागरिकों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर प्राथमिकता से कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि गुरुजी की विचारधारा के अनुरूप जनता की सेवा और उनकी समस्याओं का समाधान सरकार की सर्वोच्च जिम्मेदारी है।

» गुरुजी के दिखाए गए मार्ग पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी

मुलाकात के दौरान लोगों ने भावुक होकर कहा कि गुरुजी ने अपने जीवन को सदैव समाज और राज्य की सेवा के लिए समर्पित किया। उनकी सादगी, ईमानदारी और संघर्षशीलता आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनी रहेगी। मुख्यमंत्री ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गुरुजी के दिखाए गए मार्ग पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि गुरुजी के अधूरे सपनों को पूरा करने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयास करती रहेगी।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर स्वतंत्रता सेनानी के परिजन का सम्मान

जामताड़ा । स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, जामताड़ा रवि आनंद ने अधिकारियों संग स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय गोलक बिहारी सेन के आवास पर पहुँचकर उनकी धर्मपत्नी ठंडा वाला सेन को सम्मानित किया।इस अवसर पर उपायुक्त ने सेन को शॉल और बुके भेंट कर उनके योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया तथा स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने सेन एवं उनके परिजनों से संवाद कर उनका हालचाल भी जाना। उपायुक्त ने कहा कि आज़ादी की लड़ाई में स्वतंत्रता सेनानियों के अमूल्य योगदान को भुलाया नहीं जा सकता

गुरुजी के श्राद्ध कर्म की तैयारियां ज़ोरों पर

सुरक्षा व्यवस्था में 10 आईपीएस अधिकारी, 60 डीएसपी, 65 इंस्पेक्टर और लगभग 2500 से अधिक पुलिस के जवान रहेंगे तैनात

न्यूज धमाका।

नेमरा :स्मृति-शेष पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के पारंपरिक श्राद्ध कर्म की तैयारियां पूरे गांव में श्रद्धा और उत्साह के साथ चल रही हैं। गांव की गलियों से लेकर पूजा स्थल तक हर जगह सजावट, सफाई और व्यवस्थाओं की हलचल देखी जा रही है। परिजनों, रिश्तेदारों और दूर-दराज़ से आए ग्रामीणों के सहयोग से पारंपरिक रीति-रिवाज़ों एवं स्थानीय मान्यताओं के अनुरूप इस महत्त्वपूर्ण आयोजन की तैयारी की जा रही है।मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन स्वयं गांव में रहकर तैयारियों पर विशेष नजर रखे हुए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि आने वाले लोगों के लिए यातायात व्यवस्था, पेयजल, भोजन, चिकित्सा

सहायता, सुरक्षा और ठहरने की सुविधाएं पूरी तरह सुनिश्चित की जाएं। प्रशासन की ओर से गांव और आसपास के क्षेत्रों में सफाई अभियान भी चलाया गया है, ताकि श्राद्ध कर्म में आने वाले लोगों को किसी तरह की असुविधा न हो।लोगों की सुविधा के लिए पार्किंग से लेकर गांव के अंदर तक 300 से अधिक ई-रिक्शा की व्यवस्था होगी, जिससे सभी लोग पार्किंग स्थल से आयोजन स्थल तक आसानी के साथ पहुंच सकें। गाड़ियों के लिए 3 बड़ी पार्किंग स्थलों का निर्माण किया गया है, और प्रत्येक पार्किंग स्थल के पीछे बायो-टॉयलेट की व्यवस्था की गई है। पैदल आने वाले श्रद्धालुओं के लिए मार्ग पर छायादार शेड, विश्राम स्थल और धूप व बारिश से बचने के लिए अलग से पगोडा भी बनाया गया है।भोजन व्यवस्था के लिए 3 बड़े पंडाल बनाए गए हैं, जहां एक साथ बड़ी संख्या में लोगों के बैठकर भोजन करने की व्यवस्था होगी। इसमें स्थानीय व्यंजनों के साथ-साथ पारंपरिक प्रसाद भी परोसा जाएगा। स्वच्छता और सुचारू सेवा के लिए बड़ी संख्या में स्वयंसेवक और रसोइयों की टीम तैनात रहेगी।लोगों की सुरक्षा -व्यवस्था एवं ट्रैफिक नियंत्रण के लिए धूमकुड़िया में पुलिस कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। सुरक्षा व्यवस्था में 10 आईपीएस अधिकारी, 60 डीएसपी, 65 इंस्पेक्टर और लगभग 2500 से अधिक पुलिस के जवान तैनात रहेंगे। विधि-व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में रहेगा । यातायात प्रबंधन, आपातकालीन सेवाओं और भीड़ नियंत्रण के लिए पुलिस, प्रशासन और स्वयंसेवकों की टीमें लगातार 24 घंटे सक्रिय रहेंगी।श्राद्ध कर्म के अवसर पर गुरुजी के जीवन संघर्ष, राजनीतिक योगदान, आदिवासी समाज के उत्थान में उनकी भूमिका और जनसेवा की अमूल्य मिसाल को प्रदर्शित करने के लिए विशेष प्रदर्शनी और स्मृति दीर्घा भी तैयार किया जा रहा है। यहां गुरुजी के जीवन से जुड़ी दुर्लभ तस्वीरें, ऐतिहासिक दस्तावेज़ और उनके कार्यकाल की उपलब्धियां प्रदर्शित की जाएंगी।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जनता दरबार का किया गया आयोजन....

- जनता दरबार के माध्यम से उपायुक्त ने किया ऑन द स्पॉट कई समस्याओं का समाधान....
- आमजनों के सुविधा को देखते हुए अधिकारियों की उपस्थिति में अब मंलवार, गुरूवार एवं शनिवार को होगा जनता दरबार का आयोजन....
- जनता की समस्याओं का समाधान को लेकर उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश....

न्यूज धमाका।

जिलावासियों के समस्याओं के समाधान और त्वरित निष्पादन को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। साथ ही मौके पर जिलास्तर के सभी अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे, ताकि ऑन द स्पॉट समस्याओं का समाधान संबंधित विभाग द्वारा किया जा सके। इसके अतिरिक्त जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में भू-अर्जन व मुआवजा भुगतान से संबंधित,

अनुकम्पा, बिजली बिल माफी, झारखण्ड मुख्यमंत्री मईंया सम्मान योजना, फसल बीमा योजना, भू-राजस्व, पेंशन, आवास से जुड़े मामलों को उपायुक्त के समक्ष रखा। साथ ही उपायुक्त द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा। वहीं जनता दरबार के दौरान झारखण्ड मुख्यमंत्री मईंया सम्मान योजना, बिजली माफी एवं राजस्व से संबंधित मामलों को ऑन स्पॉट निराकरण संबंधित विभाग द्वारा किया गया।

जनता दरबार के दौरान विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये, जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएँ को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें, ताकि शिकायतों के निष्पादन की निगरानी की जा सके। ज्ञात हो कि आम जनता की समस्याओं के त्वरित निष्पादन हेतु प्रति सप्ताह मंगलवार, गुरूवार एवं शनिवार को समाहरणालय में पूर्वाह्न 10:30 से 11:30 बजे जनता दरबार का आयोजन किया जा रहा है।

साइबर अपराधियों पर जामताड़ा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दो गिरफ्तार, लाखों की नकदी व कई उपकरण बरामद

न्यूज धमाका।

संवाददाता/जामताड़ा । जामताड़ा पुलिस ने साइबर अपराध पर बड़ी कार्रवाई करते हुए दो कुख्यात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह सफलता पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस निरीक्षक अब्दुल रहमान के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने हासिल की। टीम में एसआई हेमन्त कुमार सिंह समेत कई पुलिसकर्मी शामिल थे। मामले की जानकारी जामताड़ा मुख्यालय के डीएसपी संजय सिंह ने प्रेस वार्ता में दी।

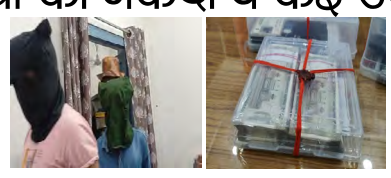

गिरफ्तार आरोपियों में इरफान अंसारी (25) और मिंटू कापड़ी (24), दोनों ग्राम पिंडरी, थाना करमाटांड़ के निवासी हैं। इनके पास से 1,37,500 नकद, 06 मोबाइल फोन, 06 सिम कार्ड, 03 एटीएम कार्ड, 01 पैन कार्ड, 02 आधार कार्ड और 02 मोटरसाइकिल बरामद की गईं।पुलिस के अनुसार, आरोपी PNB सहित अन्य बैंकों के ग्राहकों को क्रेडिट/डेबिट कार्ड बंद होने का झांसा देकर मोबाइल में स्क्रीन शेयरिंग ऐप डाउनलोड करवाते थे। इसके जरिए वे कार्ड से जुड़ी गोपनीय जानकारी चुराकर धोखाधड़ी करते थे। इनका नेटवर्क बिहार, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और उत्तर प्रदेश तक फैला हुआ था। दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना करमाटांड़ में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच जारी है। जामताड़ा पुलिस ने इसे साइबर अपराध पर अंकुश लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफलता बताया है।

दुमका पुलिस लाइन मैदान में आयुक्त करेंगे झंडोत्तोलन

दुमका। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आज 15 अगस्त 2025 को पूर्वाह्न 9:00 बजे पुलिस लाइन मैदान, दुमका में आयुक्त, संथाल परगना द्वारा विधिवत रूप से झंडोत्तोलन किया जाएगा।इस अवसर पर जिले के प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के कर्मी, छात्र-छात्राएं एवं आमजन उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सभी आवश्यक तैयारियां लगभग पूर्ण कर ली गई हैं।
जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे समय से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर स्वतंत्रता दिवस के इस राष्ट्रीय पर्व को गरिमा व उत्साह के साथ मनाएं।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने स्वयं ई-रिक्शा चलाकर 'श्राद्ध कर्म' की तैयारियों का लिया जायज़ा

नेमरा/गोला/रामगढ़। स्मृति-शेष पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के श्राद्ध कर्म की तैयारियों का मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने जायज़ा लिया। उन्होंने स्वयं ई-रिक्शा चलाकर पूरे आयोजन स्थल का भ्रमण किया और हर पंडाल में जाकर व्यवस्थाओं की बारीकी से निगरानी की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि लोगों के लिए सुरक्षा, साफ-सफाई, पेयजल, पार्किंग, टेंट, बैठने की व्यवस्था और शौचालय की पर्याप्त सुविधा सुनिश्चित की जाए, साथ ही यातायात व्यवस्था इस प्रकार बनाई जाए कि किसी को भी दुश्वारी न हो। इस अवसर पर उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न विभागों के पदाधिकारी और नेमरा गांव के लोग मौजूद थे ।

जामताड़ा में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर गोष्ठी व मौन जुलूस

संवाददाता/जामताड़ा । भाजपा जिलाध्यक्ष सुमित शरण की अध्यक्षता में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर कनक रेस्टोरेंट, जामताड़ा में गोष्ठी आयोजित की गई। मुख्य अतिथि भाजपा नेता बबलू भगत ने 1947 के विभाजन की त्रासदी, जनसंहार और विस्थापन के दर्द को याद करते हुए एकता व भाईचारे का संदेश देने की बात कही। जिलाध्यक्ष सुमित शरण ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2021 में 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' घोषित किया था

तीन दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण कर लौटीं छात्राओं ने साझा किए प्रेरणादायी अनुभव, मुख्यमंत्री, झारखंड एवं उपायुक्त के प्रति जताया आभार

जमशेदपुर/ न्यूज धमाका।

मुख्यमंत्री, झारखंड की प्रेरणा से शुरू की गई शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम के तहत पूर्वी सिंहभूम जिले के विभिन्न सरकारी विद्यालयों की 28 छात्राओं का दल तीन दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण पूर्ण कर सकुशल जिले में लौट आया। समाहरणालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने अपनी अविस्मरणीय यात्रा के अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस भ्रमण ने उनके ज्ञान, दृष्टिकोण और प्रेरणा को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाया। छात्राओं ने माननीय मुख्यमंत्री, झारखंड श्री हेमंत सोरेन एवं उपायुक्त श्री कर्ण सत्यार्थी का विशेष आभार व्यक्त किया । छात्राओं के भ्रमण का पहला दिन विज्ञान और प्रौद्योगिकी को समर्पित रहा, जिसमें छात्राओं ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान

संगठन (क्रफ्द) के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (रउ़उ रलअफ), श्रीहरिकोटा का अवलोकन किया। साथ ही आर.एम.के ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के इंजीनियरिंग कॉलेज कैंपस का भी दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अंतरिक्ष अनुसंधान और तकनीकी नवाचार के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त की।
दूसरे दिन दल ने देश की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों से परिचय प्राप्त किया। स्टेट म्यूजियम और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (अरक) द्वारा संरक्षित महाबलीपुरम के महत्त्वपूर्ण स्थलों महाबलीपुरम किला, म्यूजियम, मंदिर एवं टाइगर केव आदि का अवलोकन किया। साथ ही चेन्नई स्थित मॉडल स्कूल, कोवालम का भ्रमण किया, जहां शिक्षण पद्धतियों एवं संसाधनों को देखा।
भ्रमण के तीसरे दिन छात्राओं ने एम.ए. चिदम्बरम स्टेडियम का भ्रमण कर खेल जगत की झलक देखी और रेलवे म्यूजियम में भारत के रेल इतिहास और विकास यात्रा को करीब से समझा। साइंस ओलंपियाड के माध्यम से चयनित इन छात्राओं के लिए यह यात्रा एक अनूठा अनुभव साबित हुई, जिसमें विज्ञान, संस्कृति और शिक्षा का समन्वय देखने को मिला। छात्राओं ने कहा कि इस यात्रा ने उनके भीतर नए सपनों और लक्ष्यों को जन्म दिया है। छात्राओं ने एक सुर में कहा कि किया ₹हम अब खुद को बड़े मंच पर देखने का सपना देख रही हैं। इस यात्रा ने हमें यह विश्वास दिलाया कि कठिन मेहनत और सही मार्गदर्शन से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं। उपायुक्त श्री कर्ण सत्यार्थी ने कहा कि इस तरह के शैक्षणिक भ्रमण से बच्चों को कक्षा की सीमाओं से बाहर निकलकर वास्तविक दुनिया को समझने का अवसर मिलता है, जिससे उनकी सोच का दायरा और दृष्टिकोण व्यापक होता है। ऐसे अवसर न केवल सीखने की ललक को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि उनमें आत्मविश्वास, जिज्ञासा और लक्ष्य प्राप्ति के लिए आवश्यक दृढ़ संकल्प भी पैदा करते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि इस अनुभव से प्रेरित होकर ये छात्राएं आने वाले समय में विज्ञान, तकनीक, शोध, खेल या कि

करीम सिटी कॉलेज में BCA/IT का ओरिएंटेशन प्रोग्राम 2025

जमशेदपुर न्यूज धमाका।

करीम सिटी कॉलेज ने कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के नए बैच (2025-2029) के छात्रों के लिए एक ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और उनके अभिभावकों का स्वागत करना और उन्हें कॉलेज के शैक्षणिक और सह-पाठ्यचर्या वातावरण की स्पष्ट समझ प्रदान करना था।
कार्यक्रम की शुरुआत जनाब हाफिज वलीउल्लाह साहब द्वारा तिलावत-ए-कुरान के साथ हुई, जिसमें ईश्वर से आशीर्वाद की प्रार्थना की गई।
इसके बाद दोनों विभागों के प्रभारी प्रोफेसर डॉ. अनवर शहाब ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत किया और

उन्हें कॉलेज में अपने समय का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने विभागों के शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों का परिचय कराया।
कार्यक्रम का संचालन सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की संकाय सदस्य सुश्री रत्ना पांडे ने किया।
कॉलेज की सांस्कृतिक गतिविधियों का परिचय देने के लिए कॉलेज के सांस्कृतिक मंच (रढअफ्ढ) के संयोजक डॉ एस एम यहिया इब्राहीम ने छात्रों के लिए शिक्षा के अलावा अपनी प्रतिभा को अभिव्यक्त करने के विभिन्न अवसरों के बारे में बताया।
एक सुरक्षित और समावेशी वातावरण के प्रति कॉलेज की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए, महिला प्रकोष्ठ की डॉ. बसुधरा रॉय ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया और छात्रों, विशेषकर युवतियों के लिए उपलब्ध सहायता के बारे में बताया।
गणित विभागाध्यक्ष और पुस्तकालय प्रभारी डॉ. मोइज़ अशरफ़ ने छात्रों को कॉलेज पुस्तकालय और प्रबंधन सूचना प्रणाली (टक्र) से परिचित कराया, जो शैक्षणिक सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
कोल्हान विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष और खेल परिषद बोर्ड के सह-समन्वयक डॉ. फिरोज़ इब्राहिमी ने छात्रों को अपनी शैक्षणिक पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।
परीक्षा प्रक्रिया और मूल्यांकन प्रणाली की व्याख्या करते हुए, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एन. त्रिपाठी ने शैक्षणिक संरचना और छात्रों द्वारा पालन किए जाने वाले नियमों के बारे में उपयोगी जानकारी प्रदान की।
कार्यक्रम का समापन सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की संकाय सदस्य सुश्री कंचन बाला द्वारा हार्दिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।
अभिविन्यास कार्यक्रम को छात्रों और अभिभावकों ने खूब सराहा। इसने आने वाले शैक्षणिक वर्ष के लिए एक सकारात्मक माहौल बनाने में मदद की और नए छात्रों को करीम सिटी कॉलेज के जीवंत और सहयोगी वातावरण की झलक दिखाई।इस बैठक में प्रो. मोहम्मद असगर अली, सुश्री ज़किया शबनम, श्री शिब्रम बेरा, सुश्री प्रीति सिंह, श्री समीउल्लाह, श्री शेख मुन्नेरुल इस्लाम और करीम सिटी कॉलेज के अन्य शिक्षक और गैर-शिक्षक कर्मचारी उपस्थित थे।

एक नजर

उपायुक्त के निर्देशानुसार खाद्यान्न गोदामों का एक साथ निरीक्षण

दुमका। उपायुक्त अभिजीत सिन्हा के निर्देशानुसार जिले के सभी प्रखंडों में प्रखंड विकास पदाधिकारियों द्वारा प्रखंड परिसर स्थित खाद्यान्न गोदामों का एक साथ निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण के दौरान गोदाम परिसरों की स्वच्छता, भंडारण व्यवस्था और सुरक्षा की स्थिति का गहन मूल्यांकन किया गया। अधिकारियों को गोदाम में सीसीटीवी कैमरे लगाने, शौचालय की नियमित सफाई सुनिश्चित करने, खाद्यान्न को सुव्यवस्थित व सुरक्षित तरीके से रखने तथा प्रतिमाह समय पर खाद्यान्न के प्रेषण जैसे कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि इन निर्देशों का पालन अनिवार्य होगा और लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। यह निरीक्षण अभियान जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, स्वच्छ एवं प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सभी योजनाओं का विस्तार पूर्वक चर्चा

दुमका। जिला कृषि पदाधिकारी, दुमका एवं परियोजना निदेशक, आत्मा, दुमका के संयुक्त अध्यक्षता में दुमका जिले के सभी ए टी एम / बी टी एम के साथ समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गयी। बैठक के क्रम में कृषि अंतर्गत सभी योजनाओं का विस्तार पूर्वक चर्चा की गयी एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

चेतावनी - फर्जी फेसबुक अकाउंट

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। उपायुक्त ने बताया कि "Deputy Commissioner Dumka" के नाम से एक फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाया गया है। इस अकाउंट पर जिला प्रशासन की ओर से कोई भी पोस्ट नहीं की जाती। पुलिस अधीक्षक, दुमका को इस मामले में कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।नागरिकों से अनुरोध है कि केवल जिला प्रशासन के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट और वेबसाइट पर दी गई सूचनाओं पर ही भरोसा करें।

झामुमो जिलाध्यक्ष व जिला उपाध्यक्ष पहुंचे कालाझोर, गब्रिएल किस्कू के निधन पर जताया शोक

पाकुड़। झामुमो के वरिष्ठ व सक्रिय कार्यकर्ता गब्रिएल किस्कू के आकस्मिक निधन की सूचना पाकर पाडेरकोला के कालाझोर स्थित उनके निजी आवास पहुंचकर झामुमो जिलाध्यक्ष अजीजुल ईस्लाम व जिला उपाध्यक्ष हाजी समद अली ने शोक प्रकट किया व श्रद्धांजलि देते हुए शोक संतप्त परिजनों को ढांढस बंधाया। झामुमो जिलाध्यक्ष अजीजुल ईस्लाम व जिला उपाध्यक्ष हाजी समद अली ने स्वर्गीय गब्रिएल किस्कू को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि स्वर्गीय गब्रिएल किस्कू जी पार्टी के एक पुराने सच्चे व समर्पित सिपाही थे। उनके निधन से पार्टी संगठन को गहरा दुःख हुआ है। पार्टी को मजबूत करने की दिशा में उनके द्वारा किये गए कार्यों को कभी भुलाया नही जा सकता। साथ ही इस दुःख की घड़ी में पूरा झामुमो परिवार स्वर्गीय गब्रिएल किस्कू के परिजनों के साथ कदम से कदम मिलाकर खड़ा है। मौके पर दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एसडीओ ने स्वतंत्रता सेनानी के आश्रितों को किया सम्मानित

पाकुड़। अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रितों के घर पहुंचकर उन्हें शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। आजादी की लड़ाई में अपना अमूल्य योगदान देने वाले स्वतंत्रता सेनानी स्व० कृपानाथ पांडे, स्व० शिवशंकर मुखर्जी के आश्रितों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

फर्जी आधार कार्ड को लेकर की गई सीएसपी व प्रज्ञा केंद्रों की जांच

हिरणपुर / पाकुड़। फर्जी आधार कार्ड बनाने की शिकायत को लेकर गुरुवार को बीडीओ टुडू दिलीप व यूआईडीएआई डीपीओ रितेश कुमार श्रीवास्तव ने हिरणपुर बाजार स्थित सभी प्रज्ञा केंद्र व ग्राहक सेवा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान एसबीआई निकट संचालित ग्राहक सेवा केंद्र में जाकर संचालक शाहिद आलम से आवश्यक जानकारी प्राप्त किया। वही केंद्र का भी निरीक्षण किया गया। जहां आधार बनाने से सम्बंधित किसी प्रकार की उपकरण व सामाग्री नही पाया गया। केंद्र संचालक ने कहा कि यहां किसी प्रकार के नई आधार कार्ड नही बनता है न सुधार ही किया जाता है। इस केंद्र में सिर्फ राशि की लेनदेन व जाति , निवास प्रमाणपत्र बनाया जाता है। डीपीओ ने बताया कि शिकायत को लेकर सभी प्रज्ञा केंद्र व ग्राहक सेवा केंद्रों की निरीक्षण किया गया। जिसमें आधार को लेकर किसी प्रकार की जानकारी नही मिली। फर्जी आधार बनाने की बात गलत निकली। इस अवसर पर बीपीओ ट्विंकल चौधरी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

बालू लदे ट्रक खाई में गिरी , कोई हताहत नही

हिरणपुर। हिरणपुर - पतना पथ के विरग्राम निकट गंगा के बालू लदे ट्रक पलटी मार गया। जिससे चालक व उप चालक बाल बाल बच गया। बालू लदे ट्रक पतना की ओर से जा रहा था कि एक छोटी पुलिया निकट वाहन अनियंत्रित होकर निकट के खाई में जा गिरा। वही चालक व उप चालक बच गया। इसको लेकर क्रेन के माध्यम से ट्रक को खाई से निकाला गया।

मनसा पूजा को लेकर हिरणपुर हाट में पाठा बिक्री में आई तेजी

हिरणपुर / पाकुड़। आगामी 17 अगस्त को आहूत मनसा मां की पूजा को लेकर गुरुवार को हिरणपुर में पाठा बिक्री में काफी तेजी आई। जहां लोगो को मुख्य सड़क किनारे खरीद बिक्री करते देखा गया। मनसा पूजा में अधिकांश जगहों पर मनोती स्वरूप पाठाबली देने की वर्षो से परम्परा रही है। हिरणपुर स्थित सरकारी मवेशी हाट में भी काफी संख्या में व्यापारी व कृषको द्वारा बिक्री के लिए बकरा लाया गया था। जहां काफी भीड़ लगी हुई थी। उधर सुभाष चौक से शील दुर्गा मंदिर निकट स्थित मुख्य सड़क किनारे भी पाठा की खरीद बिक्री किया जा रहा था। जहां काफी संख्या में बिक्रेता व क्रेता जुटे हुए थे। पाठा की मांग को देखते हुए काफी ऊंचे दामो पर बिक्री की जा रही थी। लोग खरीदने को लेकर भी व्याकुल दिखे। उधर सड़क में पाठा बिक्री के कारण आवागमन व्यवस्था में भी प्रतिकूल असर पड़ा। इसको लेकर पुलिस को काफी सतर्क देखा गया , जो सड़क के हर जगहों में मुस्तैदी से तैनात थे। वही छोटे यात्री वाहनों को बाजार के मुख्य सड़क तक आने में रोक लगा दिया गया था। जिससे यात्रियों को रानीपुर से बाजार तक पैदल चलकर आते देखा गया। उधर पूजा को लेकर बाजार व हाट में भी सामानों की खरीद को लेकर लोगो की भीड़ लगी हुई थी।

बॉटनी विज्ञान विभाग में शोध प्रगति संगोष्ठी का सफल आयोजन

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के बॉटनी विज्ञान विभाग में पीएचडी शोधार्थियों की शोध प्रगति संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में विभाग के समस्त शोधार्थियों ने अपनी अब तक की शोध प्रगति रिपोर्ट डॉक्टोरल रिसर्च कमेटी के समक्ष प्रस्तुत की।इस अवसर पर कुल 9 सदस्यों की विशेषज्ञ समिति उपस्थित रही, जिसमें डॉ. एस. के. सिंह (डीन), डॉ. एस. एल. बोंड्या (विभागाध्यक्ष), डॉ. एस. के. सिन्हा, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. मीरा चौधरी, डॉ. सैमुअल किस्कु, डॉ. अमर दास, डॉ. बास्की नीरज एवं डॉ. अरिजीत घोष जैसे ख्यातिप्राप्त शिक्षकगण शामिल थे।

आम जनता के लिए वोट महज़ एक राजनीतिक अधिकार नहीं बल्कि उनके जीवन और बेहतर भविष्य का आधार है

जमशेदपुर :

विगत दिनों राहुल गांधी ने कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा में लोकसभा चुनाव के दौरान चुनाव आयोग द्वारा बरती गई अनियमितता के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। इस दिशा में आनेवाले दिनों में कांग्रेस द्वारा इसे राष्ट्रव्यापी आंदोलन बनाने के लिए पहले जिला स्तर, फिर राज्य स्तर और फिर राष्ट्रव्यापी आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जा चुकी है। इस क्रम में पूर्वी जमशेदपुर में जिला कांग्रेस कमिटी ने पार्टी के निर्देशानुसार कार्यकारी जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सोनकर के नेतृत्व में जे एन ए सी ऑफिस से सकची गोलचक्कर तक कैंडल मार्च निकाला जिसमें सैकड़ों की संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता एवं समर्थकों ने हाथों में पोस्टर एवं बैनर लेकर ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस चुनावी अनियमितता के बारे में अवगत कराने की कोशिश की।इस मुद्दे पर धर्मेंद्र सोनकर से मीडिया ने विस्तार से बात की। उन्होंने बताया कि लाखों की संख्या में वोटर्स की हेराफेरी कोई इत्तेफाक नहीं बल्कि एक सोची समझी साजिश है जिसके तहत आम जनता को उसके बुनियादी संवैधानिक अधिकार से वंचित किया जा रहा है जो कि प्रजातंत्र के लिए एक गंभीर खतरा है। भाजपा और चुनाव आयोग एक साथ मिलकर एक ऐसी स्थिति लाना चाहते है जहां मतदाता सरकार न चुने बल्कि सरकार ही अपनी मनपसंद मतदाता को चुने। यह एक ऐसी स्थिति है जिसके आनेवाले दिनों में भयावह परिणाम हो सकते है। बिहार में भी विशेष गहन पुनरीक्षण के नाम पर चुनाव आयोग द्वारा की गई धांधली अब लोगों के सामने आ गई है। यह अपने आप में आश्चर्य की बात है कि अब तक बिहार में तकरीबन 65 लाख मतदाताओं के नाम काटे जा चुके है पर सोचने का विषय है कि पिछले तीन महीनों में एक भी नए मतदाता का नाम नहीं जुड़ा है। ऐसी कई अनियमितताओं की खबरें अन्य प्रदेशों से भी आ रही है। चुनाव आयोग की मतदाता सूची में मृत लोग जिंदा पाए जा रहे है तो जिंदा लोग मृत बना दिए जा रहे है।आज उत्तर प्रदेश में लगभग 27000 स्कूलों को बंद करने का तुगलकी फरमान जारी हो चुका है जिसमें से 5000 स्कूलों को बंद किया भी जा चुका है। उत्तराखंड में भूस्खलन से पूरा का पूरा धराली गांव दफन हो गया, सैकड़ों लोग या तो मारे जा चुके है या गायब है पर मीडिया में कही कोई खबर नहीं है। हमे सोचने की आवश्यकता है कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है। अगर जनमत का अपहरण करके इस तरह की सरकार बनेगी तो आनेवाले दिनों में न किसी को रोजगार मिलेगा, न बुनियादी शिक्षा या स्वास्थ्य की सुविधा मिलेगी और ना ही कोई आपकी फरियाद सुनेगा। इसलिए यह जरूरी है हमारे माननीय नेता राहुल गांधी जी के आ''हान पर ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचा जाए और उन्हें आनेवाले गंभीर प्रजातांत्रिक खतरे के बारे में आगाह किया जाए ताकि वक्त रहते विश्व के सबसे पुराने एवं सबसे बड़े प्रजातंत्र की रक्षा की जा सके।धर्मेंद्र सोनकर के नेतृत्व कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों का यह काफिला जुलूस की शक्ल में साकची, जमशेदपुर स्थित आम बागान से निकल कर साकची झंडा चौक पर रुका जहां कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग की मनमानी के खिलाफ जमकर नारे लगाए एवं पार्टी के संदेश को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने की कोशिश की। इस कार्यक्रम में मुख्य तौर पर निम्नलिखित लोग शामिल थे।

इस कार्यक्रम मे बब्लू झा राकेश साहू अमित दुबे समिम गड़ी आज़म स्फी देव शरण सिंह बब्लू सोनकर कुलदीप सिंह अखिलेश यादव साजिद अमित राव जीतू अमन रजक पोलू वीरू राकेश साहू गुलाम अली एवं सैकड़ों की संख्या में उपस्थित हुए।

रेल सिविल डिफेंस ने तिरंगा यात्रा कर देश भक्ति और एकता का संदेश दिया

न्यूज धमाका। टाटानगर रेल सिविल डिफेंस जवानो ने 79 वे स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा, भारत माता की जय ,वंदे मातरम उद्घोषणा के साथ तिरंगा यात्रा निकाली निकाली । जिसका नेतृत्व सिविल डिफेंस इंस्पेक्टर संतोष कुमार ने किया । तिरंगा यात्रा सिविल डिफेंस कार्यालय साउथ सेटलमेंट से आरम्भ होकर केंद्रीय विद्यालय , रेल आफिसर कॉलोनी, खास महल ट्राफिक कॉलोनी होकर मुख्य मार्ग तीन किलोमीटर की दुरी तय करते हुए टाटानगर स्टेशन मुख्य द्वार पर समाप्त हुई उपस्थित जवानों को सिविल डिफेंस इंस्पेक्टर संतोष कुमार ने संबोधन करते हुए कहा तिरंगा यात्रा का उद्देश्य देश भक्ति और एकता का संदेश जन जन तक पहुंचाना है । सभी रेल कर्मचारी और आम नागरिक अपने घर के छतों पर तिरंगा झंडा लगा कर राष्ट्रीय एकता का परिचय दे अंत में सभी जवानों को धन्यवाद ज्ञापन किया । तिरंगा यात्रा में सिविल डिफेंस इंस्पेक्टर संतोष कुमार के साथ अनिल कुमार सिंह, डी आनंद राव ,विमल पासवान , डी आनंद राव , शिव शंकर प्रसाद ,गोपाल चन्द्र दास , . महादेव दास , गुलशन कुमार गीता कुमारी कंचन कुमारी दिपिका प्रधान आलोक कुमार अनुप कुमार साह अनुराग कुमार पटेल सुमित कुमार जयशवाल पी हरी वाबू ,बलिराम सिंह, विरेन्द्र मंडल अमीत कुमार व अन्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे ।

कमरछठ पर छतीसगढ़ी समाज की महिलाओं ने श्री श्री शीतला माता मंदिर टुईलाडूंगरी में सामूहिक रूप से पूजा आराधना की।

- **संतान की लंबी उम्र, सुख समृद्धि की कामना के लिए की जाती है पूजा।दिनेश कुमार**

जमशेदपुर : भगवान बलराम की जन्मजयंती और भादो मास के कृष्णपक्ष की षष्ठी के अवसर पर छत्तीसगढ़ी समाज के महिलाओं के द्वारा कमरछठ हलषष्ठी का व्रत और पूजन किया जाता है, श्री श्री शीतला माता मंदिर टुइलाडूंगरी में समाज की महिलाओं ने संतान प्राप्ति, संतान के स्वास्थ लंबी आयु और सूखी सम्पन्नता होने की कामना को लेकर पूजा अर्चना की, इस पूजा को महिलाएं मंदिर अथवा किसी के घर पर एकत्रित हो कर जमीन में गड्ढा खोद कर या अस्थाई सागरी बना कर ब्राम्हण से कथा सुन गौरी गणेश और भगवान बलराम की पूजा अर्चना करके आरंभ करती है, पूजन सामग्री में भैंस का दूध, दही, घी, लाई, महुवा, कांसी, पसहर का चावल, फूल, दुब, रोली, चंदन, नारियल, सुहाग की सामग्री, बच्चो के खिलौने और छः प्रकार की भाजी से पूजा करती है।

मंदिर समिति के अध्यक्ष दिनेश कुमार ने कहा की पूरा शहर में जहां जहां छतीसगढ़ी समाज के लोग निवास करते है वहां महिलाएं सामूहिक रूप से पूजा अर्चना कर अपने संतान की लंबी उम्र और संतान की सुख समृद्धि की कामना करती है।

पूरे विधि विधान के साथ पूजा को संपन्न करवाने में मंदिर समिति के कोषाध्यक्ष त्रिवेणी कुमार ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और हलषष्ठी की छह कथाओं से महिलाओ को अवगत करवाया और पूजन को संपन्न करवाया।

व्रतधारी महिलाओं में जमुना निषाद, हेमा साहू, सोनी साहू, चांदनी साहू, लक्ष्मी साहू, शारदा यादव, पुष्पा साहू, राजेश्वरी देवी, संध्या देवी, हेमपुष्पा निषाद, रोहिणी देवी, प्रिया देवी, रिंकी साहू, सोनी देवी, सीमा कुमारी, बेनी देवी, लक्ष्मी देवी, चित्रा देवी, निर्मला साहू, अनुपा साहू, कुंती, पार्वती देवी, कमला निषाद, मनोरमा साहू, बबली निषाद, फुलेश्वरी निषाद, नंदनी साहू चंदा साहू आदि सैकड़ों महिलाओं ने पूजन की।

कमरछठ पूजन को संपन्न कराने में गिरधारी साहू, मोतीलाल साहू, खलेश्वर साहू, त्रिवेणी निषाद, गंगाराम साहू, चंद्र भूषण, रोशन साहू आदि ने सहयोग किया।

भाजपा गोलमुरी मंडल में महापुरुषों, युद्धवीरों और शहीदों के प्रतिमा स्थल में चलाया स्वच्छता अभियान, माल्यार्पण कर किया नमन।

महापुरुषों, युद्धवीरों और शहीद सैनिकों के सम्मान के साथ उनके वीर गाथा से प्रेरणा लेना जरूरी दिनेश कुमार

न्यूज धमाका।

भाजपा झारखंड प्रदेश द्वारा निर्देशित कार्यक्रम के तहत आज गोलमुरी मंडल के द्वारा प्रातः अपने क्षेत्र में स्थापित महापुरुषों, युद्धवीरों, शहीदों के प्रतिमा स्थल पर स्वच्छता अभियान चलाने के क्रम में डॉ राजेंद्र प्रसाद, डॉ बाबा साहब भीम राव आंबेडकर, वीर शिरोमणि बाबा चौहरमल और पुलिस लाइन स्थित शहीद स्मारक में मंडल अध्यक्ष पप्पू उपाध्याय के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान चलाया गया और माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर सभी को नमन किया गया, स्वच्छता अभियान चलाने वाले टोली में शामिल भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश कुमार ने कहा की भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा से राष्ट्रीय धरोहर का सम्मान किया है हमारी पार्टी राष्ट्र ध्वज के साथ हमेशा से देश के लिए समर्पित रहे महापुरुषों और शहीदों को सम्मान देने के लिए जानी जाती है कार्यकर्ताओं के मन में भी अपने महापुरुषों द्वारा किए गए क्रिया कलाप की जानकारी होना आवश्यक है देश को आजादी दिलाने पड़ोसी मुल्क से रक्षा करने में जिन युद्ध वीरों और सैनिकों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर किया उनको नमन करना और उनकी वीर गाथा को स्मरण करना जरूरी है। आज के स्वच्छता अभियान टोली में प्रोबीर चटर्जी राणा, सुशांतो पंडा, अशोक सामंता, बंटी अग्रवाल, बी श्रीनिवास राव, उमेश गिरी, राकेश गिरी, मनी मोहंती, मोहम्मद नौशाद, नौशाद खान, राकेश गिरी, शैलेन्द्र कुमार, संदीप अईच, रहमान, कपिल कुमार, दिलीप प्रमाणिक, अनिल सिंह, जय सिंह, बंटी बंजारे, राजेश कुमार, उमेश प्रसाद, शंकर राव आदि उपस्थित थे।

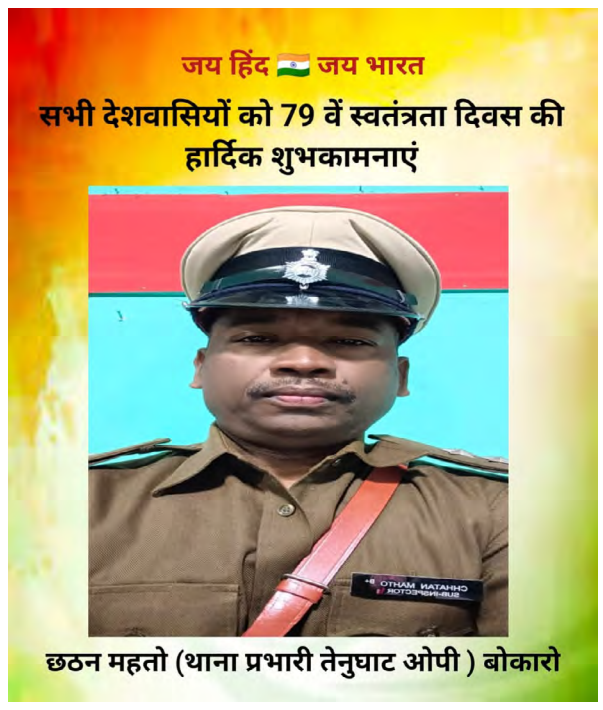

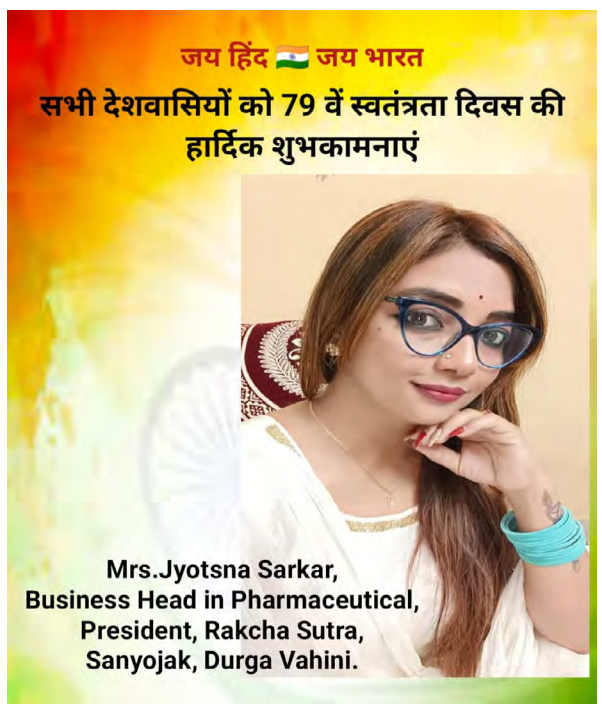

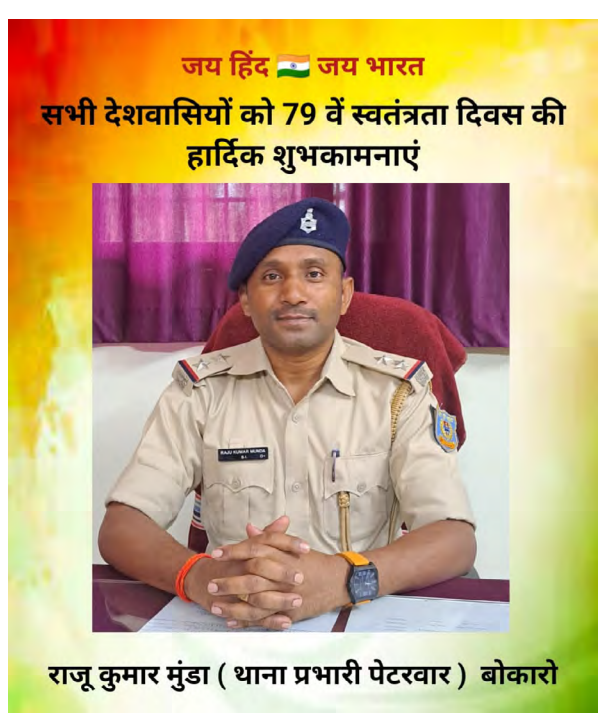

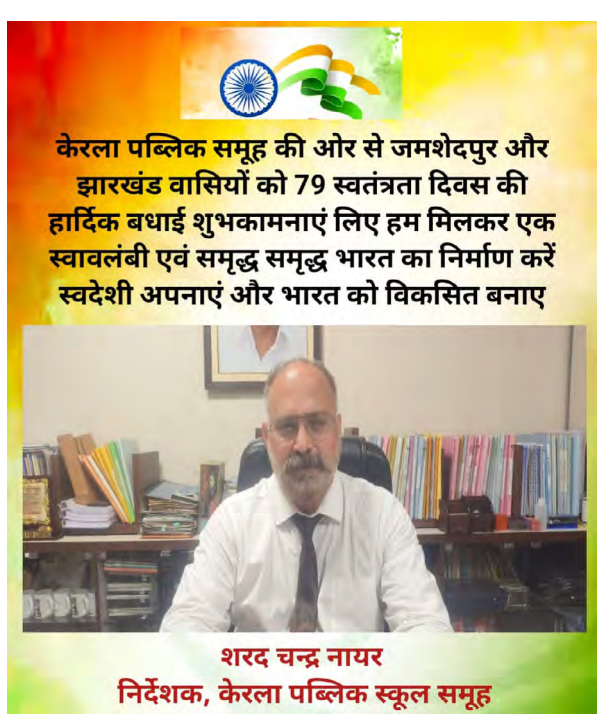

सुविचार

**जीवन एक आईना है,
यह वही दिखाता है
जो आप देखते हैं।**

न्यूज धमाका

यह आज़ादी अडिग रहे

स्वतंत्रता दिवस का यह प्रभात कुछ नए संकल्प लेने और पुराने संकल्प दृढ़ता से निभाने को समर्पित होना चाहिए। हमारे पूर्वजों ने इस दिन के लिए वर्षों तपस्या की थी। हम बहुत सौभाग्यशाली हैं जो आज आज़ादी की खुली हवाओं में सांस ले रहे हैं। हमारी आज़ादी अडिग रहे, मजबूत रहे, इसके लिए हमें अतीत से सबक लेते हुए भविष्य की योजना बनानी होगी। हमें उन कारणों को पहचानना होगा, जो हमारे पूर्वजों को गुलामी की ओर लेकर गए थे। जब-जब समाज कमजोर हुआ है, 'हम' की जगह 'मैं' का बोलबाला हुआ है, तब-तब देश की ताकत में कमी आई है। हमें जातिवाद, भाषावाद, क्षेत्रवाद, सांप्रदायिकता के बंधनों को तोड़ना होगा। हम भारतीय हैं। हमें इस संकल्प पर दृढ़ रहना होगा कि हमारी एकता को कोई नहीं तोड़ सकता। जब विदेशी आक्रांता यहां आए थे तो उन्होंने वे सभी पैंतरे आजमाए थे, जो समाज में दरारें पैदा करें। आज भी ऐसे तत्त्वों की कमी नहीं है, जो इस ताक में बैठे हैं कि कब कोई गड़बड़ हो और वे मौके का फायदा उठाएं। इस स्वतंत्रता दिवस पर हमें यह संकल्प ज़रूर लेना चाहिए कि हम अपने देश को स्वच्छ रखेंगे। आज कई जगहों पर कचरे के ढेर लगे हुए हैं, सार्वजनिक इमारतों की दीवारें पीक से रंगी हुई हैं। इसके लिए कौन जिम्मेदार है? हमारे देश को साफ रखने की जिम्मेदारी हमारी है। क्या वजह है कि जापान, सिंगापुर, जर्मनी, दक्षिण कोरिया जैसे देश इतने साफ-सुथरे हैं, जबकि हमारे यहां स्थिति बिल्कुल अलग है? जब तक देशवासी स्वच्छता को अपने जीवन का हिस्सा नहीं बनाएंगे, यह तस्वीर बदलने वाली नहीं है। स्वच्छता के लिए हर व्यक्ति को पहल करनी होगी।

अंग्रेजों ने हमारे देश को गुलाम बनाने के लिए इसकी अर्थव्यवस्था पर कब्जा किया था। उन्होंने साजिश रचकर हमारे उद्योग-धंधों को नष्ट किया था। हमारी आज़ादी अटल रहे, इसके लिए जरूरी है कि हमारी अर्थव्यवस्था बहुत मजबूत हो। नौजवानों को चाहिए कि वे पढ़ाई के साथ कम-से-कम कोई दो हुनर ऐसे सीखें, जिनमें रोजगार की संभावनाएं हों। जिस देश में लोग अपने रोजगार में व्यस्त होते हैं, वहां कई समस्याओं का समाधान अपनेआप हो जाता है। भारत में इंटरनेट सुलभ होने से कई काम आसान हुए हैं। हालांकि इसके जरिए एक ऐसा जहर हमारे देशवासियों के दिलो-दिमाग में घोला जा रहा है, जिसके नतीजे बहुत खतरनाक हो सकते हैं। आज ऐसे कई ऑनलाइन ऐप चल रहे हैं, जो लोगों को जुए, सट्टे पर दांव लगाकर अमीर बनने का झांसा दे रहे हैं। उनके फेर में पड़कर बहुत लोग जीवनभर की बचत गंवा चुके हैं। कई तो कर्ज में डूब चुके हैं। ऐसे ऐप्स की शिकायतें खूब आ रही हैं, जो तुरंत कर्ज उपलब्ध कराने का वादा कर बहुत ऊंची दर पर ब्याज वसूल रहे हैं। यही नहीं, कई लोग आरोप लगा चुके हैं कि उन्होंने पूरा कर्ज चुका दिया, लेकिन उनसे वसूली जारी है। जब लोगों की आर्थिक स्वतंत्रता खतरे में पड़ जाएगी तो उनका भविष्य क्या होगा? ऐसे ऐप्स के खिलाफ सरकार को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। वहीं, देशवासियों को इनसे सावधान रहना चाहिए। बेहतर होगा कि अपने मोबाइल फोन में ऐसे ऐप्स डाउनलोड ही न करें। किसी भी क्षेत्र में उन्नति करने के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा होनी चाहिए। भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। हमें इससे और आगे जाना है। आज कई टीवी तथा सोशल मीडिया चैनलों पर भारत और पाकिस्तान की तुलना की जाती है! हमें इससे परहेज करना चाहिए। अगर तुलना करनी है, प्रतिस्पर्द्धा करनी है तो चीन और अमेरिका जैसे देशों से करनी चाहिए। हमें दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनानी है। प्रथम स्थान से कम, कुछ भी स्वीकार्य नहीं है। स्वतंत्रता दिवस की अनेक शुभ कामनाएं।

ट्वीटर टॉक

बंटवारा हमारे इतिहास का सबसे दर्दनाक हादसा है। नफरत की कोख से उपजे इस दर्द को देशवासियों ने हिंसा और विस्थापन से भी झेला है। इस दिवस पर हम भेदभाव, वैमनस्य और दुर्भावना के जहर को खत्म कर एकता और मानवीय संवेदनाओं को मजबूत करने का प्रण लें।

-दीया कुमारी

बीकानेर के कोडेवाला आउट पोस्ट (खाजूवाला) पर बीएसएफ के जांबाज जवानों से स्नेहपूर्ण संवाद कर एवं जांबाज बहनों से रक्षा सूत्र बंधवाकर सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अर्जुन राम मेघवाल भी उपस्थित रहे।

-भजनलाल शर्मा

विभाजन का दर्द आज भी गहरा है। नक़्शे पर एक लकीर खिंचने की वजह से लाखों लोग बेघर हुए, लाखों जीवन मिट गए। विभाजन मानवीयता के लिए विभीषिका था, जिसे झेलने वाले असंख्य भारतीयों ने सुई की नोक बराबर भी कुछ ग़लत नहीं किया था।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

चिंतन से चरित्र

रावण का पराभव हुआ और विभीषण का राज्याभिषेक हुआ। राजा विभीषण, कर्तव्य-पालन संबंधी निर्देश प्राप्त करने की जिज्ञासा से भगवान राम के समक्ष उपस्थित हुए। भगवान राम बोले, 'अपने अग्रज पंडितराज की ज्ञान-विज्ञान परंपरा का संरक्षण और विकास करना, किंतु अपना चिंतन सदैव धर्मपरायण और आदर्शनिष्ठ बनाए रखना।' विभीषण ने जिज्ञासा व्यक्त की, 'रावण से चिंतन के स्तर पर क्या भूलें हुईं?' भगवान करुणानिधि बोले, 'उसने ऋषि परंपरा के व्यवस्थित चिंतन-क्रम को त्याग कर लोलुपों का अस्त-व्यस्त मार्ग अपना लिया। इसलिए वह अपने ज्ञान के ठोस लाभ समाज को नहीं दे सका। संकीर्ण स्वार्थपूर्ण चिंतन ने उसे हीन कर्मों में लगा दिया और अंततः उसकी दुर्गति कर दी। धर्म की रक्षा करने के स्थान पर उसने अनीति और अधर्म का ही पोषण किया। यही उसके पतन का कारण बना।'

स्वतंत्रता दिवस का उत्सव

लाल किले से गूँज उठा तिरंगे का जयघोष प्यारा
स्कूल कॉलेज चौक चौराहा सजे हर नगर हमारा
कार्यालयों में महके उत्सव का उजियारा
महके हर दिल में स्वतंत्रता का उत्सव
झांकियाँ सजी कर्तव्य पथ पर रंग बिरंगे प्यारे
सैनिकों की परेड में दिखे वीरों के उजियारे
बच्चों के गीत नृत्य संगीत के मधुर सहारे
गूँज उठे नगर नगर में स्वतंत्रता का उत्सव
मिठाई बाँटी खुशियों में झूमे हर बच्चा प्यारा
युवकों की उमंग से जगमग करें हर तारा
जन जन मिलकर सजाएँ घर घर
का आँगन सारा
महके हर गली मोहल्ले में स्वतंत्रता का उत्सव
ज्ञान विज्ञान और कला से रोशन हुआ भारत सारा
शांति प्रेम और भाईचारे की छा गई हवा प्यारा
देशभक्ति की ज्योति फैले हर नगर और किनारा
दमकता युग युग में स्वतंत्रता का उत्सव

**स्वरचितः- मो.सरफराज आलम
हारून रशीद गाफिल माटी
जिला अररिया बिहार**

**मनमानी नित करता अरि जब, इसका अब उपचार करो।
आतंकी हैं दुश्मन सारें, बचे नहीं संहार करो।।
सिसक रही है घाटी नित ही, रक्तिम हुई दिशाएँ भी।
चीख पुकार रही हर नारी, अब गर्दन पर वार करो।।
माना गौतम की यह धरती, सत्य अहिंसा व्रतधारी।
बहुत हुआ यह लुका- छिपी अब, और नहीं इतबार करो।।
करें कलंकित जो धरती को, दानव वे नर भक्षी हैं।
शस्त्र उठाओ भारत वंशी,इन पर चलो प्रहार करो।।
गद्दारों को ढूँढो मारो, जयचंदो की टोली को।
और नहीं अब ताका झाँकी, अब गलती स्वीकार करो।।
दया प्रेम की भाषा छोड़ो, अरि को सबक सिखाना है।
बहुत सही नादानी इनकी,हर सीमा को पार करो।।
नहीं समझते करुणा पापी, करते नित मनमानी हैं।
विषधर नागों के फन को अब, कुचलो काटो मार करो।।**

**सुनीता सिंह सरोवर
गीतिका**

जश्ने-ए-आजादी

आजादी का जश्न मनाओ, शुभ दिवस आज ही आया था।
हमें मिली थी स्वतंत्रता तब, ध्वजा तिरंगा लहराया था।।
कितने खून बहाए वीरों, पहने केसरिया बाना थे।
कितने हँसते झूले शूली, गाते तब राष्ट्र तराना थे।।
भगत बोस आजाद सभी तो, आजादी के दीवाने थे।
लक्ष्मी बाई तात्या टोपे, ऐसे सच्चे परवाने थे।।
अस्सी वर्षों की हड्डी भी, फड़क उठी रण में जाने को।
वीर कुँवर थे नामी योद्धा, थे उतावले जय पाने को।।
असि से काटे स्वयं बाँह को, गंगा में उसे बहाए थे।
नहीं मोह था उन्हें जान का, गोरों को वे दहलाए थे।।
अंग्रेजों को मार भगाए, ये सभी बहादुर वीरों ने।
बेड़ी थी पड़ी गुलामी की, उसको काटे ये पीरों ने।।
आजादी का जश्न मनाओ, शुभ दिवस आज ही आया था।
हमें मिली थी स्वतंत्रता ये, ध्वजा तिरंगा लहराया था।।

नरेंद्र सिंह, अतरी, गया जी,

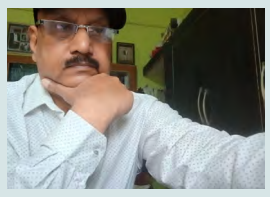

कुकुभ छंद

- सुनो अनुभूति आजादी की
सुनो अनुभूति आजादी की, शोणित तन पर है सजता।
शिकन नहीं माथे पर होती, नहीं किसी से है डरता।।
भगत सिंह नित देते नारा, हम आजादी लाएगे।
कफन बाँधकर चंद्रशेखर, शपथ यही वे खाएगे।।
चले राजगुरु सुखदेव सखा, इन से ही सूरज ढलता।
सुनो अनुभूति आजादी की, शोणित तन पर है सजता।।
राजा पृथ्वी चौहान हुए, याद करो लक्ष्मी बाई।
गोरो मुगलों सबक सिखाया, तब जग आई तरुणाई।।
नृप प्रताप ने ध्वज लहराया, जब दुश्मन थर -थर करता।
सुनो अनुभूति आजादी की, शोणित तन पर है सजता।।
रचा रक्त से इतिवृत अपना, मत भूलो तुम कुर्बानी।
कितने घर बेघर हो जाते, सब करना याद कहानी।
स्वतः लहू से सींचे धरती, आजादी खातिर मरना।
सुनो अनुभूति आजादी की, शोणित तन पर है सजता।।

**लेखिका
डॉ प्रियंका भूतड़ा प्रिया
बरगढ़ ओडिशा**

बचपन का दौर

एक दौर था, जब हम बच्चे थे,
ना चिंता थी, ना कोई ग़म के साए थे।
हर दिन था जैसे कोई त्यौहार,
हर पल में बसती थी खुशियों की बहार।
बारिश में भीगना बिन वजह,
मिट्टी से खेलना, वो मासूम जज़्बा।
हँसी में खो जाना, बेपरवाह उड़ जाना,
जैसे ज़िन्दगी कोई रंगीन अफ़साना।
धूप संग गली में दौड़ लगाना,
पेड़ों की छाँव में सपने सजाना।
शाम ढले माँ की पुकार सुन,
चुपके से घर लौट आना हर दिन।
ना वक़्त की कमी थी, ना कल की सोच,
दिल था सच्चा, और मन था बहुत ही लोच।
हर छोटी बात में मिलती थी खुशी,
हर खेल में छुपी थी कोई सच्ची कहानी।
अब तस्वीरों में ढूँढते हैं वो पल,
जो दिल में बसते हैं, बनकर हलचल।
वो बचपन, जो अब सिर्फ़ यादों में है,
पर हर धड़कन में आज भी ज़िंदा है।

**रिया मनोज
जयपुर (राजस्थान)**

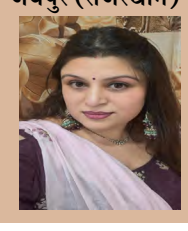

वंदे भारतम.. वंदे भारतम..

(इंजी. अरुण कुमार जैन-विनायक फीचर्स)

खुली हवा में सांस ले रहे,
उनका हम पर उपकार है,
मातृभूमि पर बलिदान हुये जो,
वे ही प्रभु अवतार हैं।
वंदे भारतम.. वंदे भारतम..
रानी झाँसी निकल पड़ी थीं,
मात्र तेइस की उम्र में,
प्राण न्यौछावर करके अपने,
पूज्य बनी थीं युद्ध में.
भगत सिंह,सुखदेव, राजगुरु,
फाँसी फंदा चूम लिए,
हत्यारे का वध करके वे,
मातृभूमि हित अमर हुये.
चंद्रशेखर आजाद प्रयाग की
भूमि पर बलिदान हुये,
नहीं झुके पापी के आगे,
नयी चेतना जगा गये.
खून मुझे दो, आजादी लो,
नेताजी ने बोला था,
देशप्रेम का पावन निरझर,
हरेक हृदय में खोला था।
वंदे भारतम,.. वंदे भारतम..
बलिदान हो गये कई सैकड़ों,
जालियाँवाला बाग में,
डायर पापी ने मरवाया,
हमें यों झोंका आग में।
सावरकर जी कालापानी में,
कोल्हू से पिसते थे,
हमें सुखद कल देने खातिर,
जुल्मो सितम को सहते थे.
नहीं सैकड़ों,लाखों पुत्र, बहिन,
माता बलिदान हुये,
आँसू, पीड़ा, गहन वेदना,
वर्षों तक वे सहन किये.
पापी के अत्याचारों से,
नहीं डरे संकल्प लिए,
शीश कटाकर भारत माँ की जय जय
कहकर प्राण दिए।
वंदे भारतम... वंदे भारतम..
टुकड़े टुकड़े कर वीरों को,
निर्ममता से मारा था,
अंग भंग कर पापी ने,
घावों पर नमक लगाया था.
आँखें फोड़ी,गर्दन काँटी,
जलते शोलों पर डाल दिया,
माता बहिनों से बलात्कार,
निर्मम अत्याचार हुआ.
कितनी श्रद्धा उनको देश पर,
मर कर उन सबने बता दिया।
वंदे भारतम.. ... वंदे भारतम..
इन सबके बलिदानों से ही,
स्वतंत्रता का सुमन खिला,
हमको राज सुराज मिला,
हर सुविधा है आज देश में,
घर, भोजन, आराम है,
वाहन,शिक्षा,स्वास्थ्य सभी को,
चेहरों पर मुस्कान है,
मत भूलो उनके बलिदानों से,
सुख हमने पाया है,
कोटि नयन अश्रु से सिंचित,
हर नव सुमन हमारा है.
श्रम, निष्ठा, कर्तव्य निर्वहन,
कर हम आगे जायेंगे,
भरत के भारत को हम फिर से
विश्व शिखर पर लाएंगे।

**वंदे भारतम, वंदे भारतम.....
वंदे भारतम.. वंदे भारतम..
(विभूति फीचर्स)**

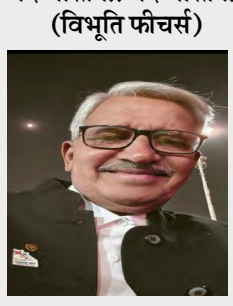

स्वतंत्रता दिवसः एक ऐतिहासिक दिन

न्यूज धमाका।

स्वतंत्रता दिवस हम सभी भारतीयों के लिए एक ऐतिहासिक दिन है, जो हमें स्वतंत्रता की याद दिलाता है और देश के प्रति हमारी जिम्मेदारियों का एहसास कराता है। 15 अगस्त हमारा देश स्वतन्त्र हुआ यह हम सभी का राष्ट्रीय पर्व है।

» स्वतंत्रता दिवस का महत्व

स्वतंत्रता दिवस न केवल देश की आजादी का प्रतीक है, बल्कि यह भी याद दिलाता है कि देश की स्वतंत्रता और संप्रभुता को बनाए रखने के लिए हमें निरंतर प्रयास करना होगा। यह दिन हमें हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और त्याग की याद दिलाता है और हमें देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का एहसास कराता है।

» स्वतंत्रता सेनानियों का योगदान

सुभाषचंद्र बोस, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद जैसे कई महान नेताओं ने देश की आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके बलिदान और त्याग के कारण ही आज हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं और अपने देश की प्रगति के लिए काम कर रहे हैं।

» मेरे पिता का अनुभव

मेरे पिता ने भी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि कैसे हमारे देश के स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने जीवन को देश के लिए समर्पित कर दिया और हमें स्वतंत्रता का उपहार दिया। मेरे पिता ने कहा कि हमें अपने देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का एहसास करना चाहिए और देश की प्रगति के लिए काम करना चाहिए।

» शहीदों को नमन

हम उन शहीदों को नमन करते हैं जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हम उन सभी शहीदों को श्रद्धांजलि देते हैं जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया।

» देश के प्रति हमारी जिम्मेदारी।

हमें अपने देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का एहसास करना चाहिए और देश की प्रगति के लिए काम करना चाहिए। हमें अपने देश की स्वतंत्रता और संप्रभुता को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास करना होगा।

» आइए हम संकल्प लें

आइए हम स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर संकल्प लें कि हम अपने देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का पालन करेंगे और देश की प्रगति के लिए काम करेंगे। हार्दिक शुभकामनाएंआप सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं! आइए हम सभी मिलकर अपने देश की प्रगति के लिए काम करें और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का पालन करें। जय हिंद!

**सुनिता त्रिपाठी'अजय
जयपुर राजस्थान**

शहीदों का दर्द

वतन पर मर मिटे हो तुम हजारो घाव ले कर के,
अमन कर गए हो तुम स्वयं के प्राण दे कर के।
शहीदो यह वतन रखेंगा तुम्हें सर व आँखो पर,
करोड़ो लोग रोते हैं तुम्हारा नाम ले कर के।
ये धरती रोज रोती है लगे यह जान दे देगी,
इसे दिख जाए गर दुश्मन चिपट के प्राण ले लेगी।
सिसकता है तेरे लिए ये धरती माँ का जख्मी दिल,
ये पूछे सरहद से तू और कितने लाडले लेगी।
ये बूढ़ा बाप तेरे बिन दिवानों सा रोता है,
कहे माँ रोज रो रो के मेरा बेटा तो सोता है।
तेरी बहन पूछे मै राखी बांधू किसको,
पटकती सिर तेरी पत्नी ये मातम रोज होता है।
गए हो गाँव से जब से न सारे लोग सोते है,
यहां के खेत घर द्वारे सभी गमगीन होते है।
तुम्हारी याद मे नदियाँ सारा जल गवा बैठी,
यहां बेचेंन नर नारी ये पशु पक्षी भी रोते हैं।

**अंतर्राष्ट्रीय
हास्य कवि व्यंग्यकार
अमन रंगेला ₹अमन₹ सनातनी
सावनेर नागपुर महाराष्ट्र**

शान तिरंगा

कभी पतित न हुआ येभारत
संकट में न घबराया
सर पर अपने बांध कफ़न को
सदा तिरंगा लहराया
भारत के दुश्मनों ने कितने
ही इस पर हैं वार किए
किन्तु शीश झुका न इसका
दुश्मन के संहार किए
गर्व तिरंगे को है अपने
भारत वीर जवानों पर
इतराए उनमुक्त गगन में
चाहे हो अंगारों पर
भूतकाल से वर्तमान तक
हारा नहीं तिरंगा है
हरा, श्वेत ,केसरिया वाला
मानो अविरल गंगा है

**गीता राठौर गुंजन
पूरनपुर पीलीभीत**

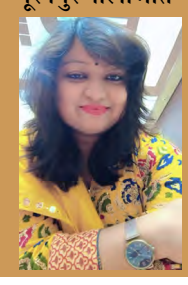

स्वतंत्रता दिवस विशेष

न्यूज धमाका।

आज 15/8/2025 को संपूर्ण राष्ट्र देश की आजादी का जश्न मना रहा है। हम खुशनसीब हैं कि हमारा जन्म आजाद भारत में हुआ। सैकड़ों कुर्बानियां देकर यह आजादी हमें मिली.. साथ में देश विभाजन का दंश.. पढ़ सुनकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। अनेक नेता सम्मानित हुए आजाद भारत में महत्वपूर्ण पद प्राप्त किये और करोड़ो ऐसे वीर सपूत हैं जिन्होंने पर्दे के पीछे रहकर निःस्वार्थ भाव से देश की आजादी में अपना योगदान दिये। गोली खाई.. डंडे खाये.. जान गंवाई लेकिन उफ न किया.. उन तमाम अनाम शहीदों को राष्ट्र नम नैनों से नमन करता है.. स्मरण करता है। आज हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं तो उसके पीछे आपकी देशभक्ति कुर्बानी है।

स्वतंत्रता के बाद हम प्रगति के पथ पर अग्रसर हुए तो हमारी अनेक कमजोरियां भी सामने आई.. हम गिरे.. संभले और कामयाब भी हुए.. आज हम दुनिया के अग्र गणी देश में से एक हैं..!

पुरानी गरिमा लौट आई है ..कोई ऐसा क्षेत्र नहीं जहाँ हमने

अपने पांव नहीं जमाये हों।

तरक्की की सीढ़ियां लांघते हम आजादी का पच्चहतरवां अमृत महोत्सव मना रहे हैं।

यह जश्न दोहरी खुशी की है क्योंकि हमारे खिलाड़ियों ने ओलम्पिक में स्वर्ण के साथ कई पदक जीत पूरे विश्व में हमारा मान बढाया है ।खिलाड़ियों का देशवासी हृदय से स्वागत करता है अभिनंदन करता है।

अपने देश की माटी, हवा संस्कृति आजादी हमारा सर्वस्य है.. अमृत तुल्य है।

मां भारती तुम्हें शत-शत नमन।
जाति धर्म पूछकर निर्दोषों
निहत्थों सैलानियों की निर्मम
नृशंस सामूहिक कत्लेआम
आखिर किसके इशारे पर
ऐसा अंजाम
क्या हासिल होगा निर्दोषों को
मारकर
हंसते खेलते परिवार को
उजाड़कर
अब नहीं सहेगा हिन्दुस्तान
ऐसा निर्मम अत्याचार
कीमती है एक एक निर्दोषों
की जान
अब हुंकार भरेगा हिंदुस्तान
सिंदूर आपरेशन का चला
अभियान
ढूंढ ढूंढ कर दहशतगर्दों को
मार गिराया
घुसकर आतंकी अड्डों को
नष्ट नाबूत किया
देश के बच्चे-बच्चे ने भरी
हुंकार
अब न जुल्मो-सितम सहेगा
हिन्दुस्तान।
जयहिंद वंदेमातरम
मौलिक रचना -डॉ उर्मिला
सिन्हा

Editor/ proprietor - Raghubansh mani singh, Office Addresh-G4/9, New cable town Golmuri Jamshedpur Pin cod 81003 Purvi Singhbhum, Jharkhand, RNI(Title applied)
E-Paper for News portal www.newsdhamaka.com. All rights reserved by Editor Raghubansh Mani Singh. Any legal dispute will be filed at East Singhbhum juridiction only.

डीपीआईआईटी ने स्टार्टअप्स को समर्थन देने के लिए जेप्टो के साथ समझौता किया

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने विभिन्न क्षेत्रों में प्रारंभिक चरण के स्टार्टअप्स को समर्थन देने के लिए जेप्टो प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। ये समझौता हार्डवेयर, आईओटी, पैकेजिंग और दीर्घकालिक विनिर्माण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि इस समझौता ज्ञापन पर डीपीआईआईटी के निदेशक डॉ. सुमीत जारंगल और जेप्टो के सह-संस्थापक कैवल्य वोहरा ने हस्ताक्षर किए हैं। इस सहयोग का उद्देश्य छह महीने के एकाग्र कार्यक्रम के माध्यम से स्टार्टअप्स की खोज और उनका मार्गदर्शन करना है। यह कार्यक्रम हार्डवेयर, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, पैकेजिंग और दीर्घकालिक विनिर्माण के क्षेत्रों में तकनीक विकसित करने वाले स्टार्टअप्स को सहायता प्रदान करेगा। वे जेप्टो के वितरण और डिजिटल बुनियादी ढांचे का उपयोग करके प्रोटोटाइप से बाजार तक के लिए तैयार समाधानों का विकास कर सकेंगे। मंत्रालय के मुताबिक यह साझेदारी विशेषज्ञों के नेतृत्व में होने वाली कार्यशालाओं और स्टार्टअप इंडिया सहयोग के माध्यम से महिलाओं की मुख्य भूमिका वाले और टियर दो/तीन के स्टार्टअप्स पर ध्यान केंद्रित करके उन्हें मार्गदर्शन और क्षमता निर्माण के संबंध में सहायता प्रदान करेगी।

मुंबई से दो नई साप्ताहिक उड़ान सितंबर से शुरू करेगी इंडिगो

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने अपने अंतरराष्ट्रीय संपर्क को मजबूत करने का ऐलान किया है। इंडिगो ने सितंबर में मध्य एशियाई देशों के लिए मुंबई से दो नई उड़ानें शुरू करने की घोषणा की है। ये उड़ानें सितंबर से उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद और कजाकिस्तान के शहर अल्माटी के लिए होंगी। एयरलाइंस ने एक बयान में बताया कि वह 01 सितंबर से उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद और 02 सितंबर से कजाकिस्तान के अल्माटी के लिए मुंबई से सीधी उड़ानें शुरू करेगी। इंडिगो की ये दोनों उड़ानें सप्ताह में चार दिन होगी। एयरलाइंस ने यह घोषणा हाल ही में मुंबई-त्बिलिसी (जॉर्जिया) मार्ग पर इंडिगो की 02 अगस्त से सीधी उड़ान के शुभारंभ के बाद की गई है, जो भारत की वित्तीय राजधानी से संपर्क को मजबूत करने और इसे एक प्रमुख विमानन केंद्र के रूप में विकसित करने की एयरलाइन की प्रतिबद्धता को पुष्ट करती है। इंडिगो के ग्लोबल सेल्स प्रमुख विनय मल्होत्रा ने कहा कि नई दिल्ली से त्बिलिसी, अल्माटी और ताशकंद के लिए सफल संचालन के आधार पर अब हमें इन सभी गंतव्यों को मुंबई से जोड़ने की खुशी है। उन?होंने कहा कि हाल ही में हमने मुंबई से मैनचेस्टर और एम्स्टर्डम के लिए अपनी लंबी दूरी की उड़ानें भी शुरू की हैं, जो यूरोप में हमारे प्रवेश का प्रतीक है।

डीपीआईआईटी ने स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए हीरो मोटोकॉर्प के साथ किया समझौता

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने विभिन्न क्षेत्रों में प्रारंभिक चरण के स्टार्टअप्स को समर्थन देने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर हैं। इस समझौते के बाद चयनित स्टार्टअप्स को जर्मनी और भारत में हीरो मोटोकॉर्प की अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास सुविधाओं के साथ-साथ कंपनी के डीलरों, आपूर्तिकर्ताओं और साझेदारों के विशाल नेटवर्क तक विशेष पहुंच प्राप्त होगी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि इस समझौता ज्ञापन पर डीपीआईआईटी के निदेशक डॉ. सुमीत जारंगल और हीरो मोटोकॉर्प के ग्लोबल इनोवेशन पोर्टफोलियो लीड उत्कर्ष मिश्रा ने दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। मंत्रालय के मुताबिक स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत डीपीआईआईटी और हीरो मोटोकॉर्प कंपनीहीरो फॉर स्टार्टअप्स के जरिए मिलकर काम करेंगे। इसके साथ ही उन्हें मेंटरशिप के अवसरों का भी लाभ मिलेगा और उन्हें सशुल्क प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट पर काम करने का मौका मिलेगा।

महंगाई दर घटने पर सस्ता हो सकता है लोन

नई दिल्ली। सरकार के द्वारा जारी किए आंकड़ों के अनुसार, महंगाई दर में कमी आने की उम्मीद की जा रही है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि Inflation Rate में गिरावट आने से Interest Rate और Loan की EMI घट सकती है। हाल ही में आए ताजा आंकड़ों में महंगाई दर घटने की खबर सामने आयी है। पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार, लगातार 9वें महीने में खाद्य मंहगाई दर 1.55 प्रतिशत रही है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि महंगाई दर में गिरावट आने के कारण रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यानी आरबीआई को भविष्य में रेपो रेट यानी कर्ज पर ब्याज दरें कम करने में मदद मिल सकती है। उनका मानना है कि अगर इंफ्लेशन रेट आरबीआई के अनुमान से कम रहता है, तो सेंट्रल बैंक आने वाले समय में इंटरेस्ट रेट में कटौती कर सकता है। जिसके चलते सस्ती दर पर लोन मिलने की डिमांड बढ़ सकती है। साथ ही EMI भी कम होने की संभावना बढ़ गई है।

ओडिशा, पंजाब और आंध्र प्रदेश में चार नई सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मिली मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने भारत के सेमीकंडक्टर मिशन के तहत चार और सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को हरी झंडी दिखाई है। इससे अबतक 6 राज्यों में कुल 10 यूनिट बनने जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आज ओडिशा, पंजाब और आंध्र प्रदेश में 4,600 करोड़ के निवेश से चार सेमीकंडक्टर उत्पादन यूनिट स्थापित करने को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आज उक्त आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में पत्रकार वार्ता में बताया कि दूरसंचार, ऑटोमोटिव, डेटा सेंटर, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स में सेमीकंडक्टर की बढ़ती मांग को देखते हुए ये चार नई स्वीकृत सेमीकंडक्टर परियोजनाएं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। इससे

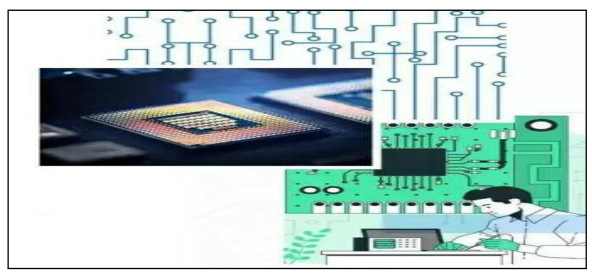

2034 स्किल प्रोफेशनल को रोजगार मिलेगा। साथ ही यह भारत में इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग अर्थतंत्र को बनाने में मददगार होगा जिससे आगे कई अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा होने की संभावना है। ये परियोजनाएं देश में विकसित हो रही विश्व स्तरीय चिप डिज़ाइन क्षमताओं को और मज़बूत करेंगी जिन्हें सरकार की ओर से 278 शैक्षणिक संस्थानों और 72 स्टार्ट-अप्स को प्रदान की जा रही डिज़ाइन अवसंरचना सहायता से बल मिल रहा है। आज इन चार और प्रस्तावों की स्वीकृति के साथ, भारत सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के अंतर्गत 6 राज्यों में लगभग 1.60 लाख करोड़ रुपये के कुल निवेश के साथ स्वीकृत परियोजनाओं की कुल संख्या 10 हो गई है। सिकसेम(एसआईसीएसईएम) और 3डी ग्लास ओडिशा में, कॉन्टिनेंटल डिवाइस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (सीडीआईएल) पंजाब में और एडवांस्ड सिस्टम इन पैकेज (एएसआईपी) टेक्नोलॉजीज आंध्र प्रदेश में यूनिट बनाएगी। इन चार स्वीकृत प्रस्तावों के माध्यम से लगभग 4,600 करोड़ रुपये के कुल निवेश से सेमीकंडक्टर विनिर्माण कंपनियां स्थापित होंगी और इसी प्रकार से 2034 कुशल पेशेवरों के लिए रोज़गार का सृजन होने की आशा है। इससे इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण के लिए अनुकूल परिवेश को गति मिलेगी और इसके परिणामस्वरूप अप्रत्यक्ष रूप से भी बहुत-सी नौकरियों का सृजन होगा।

जुलाई में खुदरा महंगाई दर घटकर आठ साल के निचले स्तर 1.55 फीसदी पर

एजेंसी

नई दिल्ली। महंगाई के मोर्चे पर आम आदमी को बड़ी राहत मिली है। खुदरा महंगाई दर जुलाई महीने में घटकर आठ साल के निचले स्तर 1.55 फीसदी पर आ गई है, जो इससे पिछले महीने जून में 2.1 फीसदी रही थी। जनवरी 2019 के बाद यह पहली बार है, जब खुदरा महंगाई दर 2 फीसदी से नीचे आई है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के मुताबिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर जुलाई महीने में घटकर आठ साल के निचले स्तर 1.55 फीसदी रही है। यह 97 महीने का निचला स्तर है। इससे पहले जून 2017 में खुदरा महंगाई दर 1.54 फीसदी रही थी। जून 2025 में खुदरा महंगाई दर 2.10 फीसदी रही थी। इसी तरह मई 2025 में 2.82 फीसदी और अप्रैल 2025 में यह 3.16 फीसदी पर थी। आंकड़ों के मुताबिक खाने-पीने के सामान की कीमतों में लगातार नरमी के कारण खुदरा महंगाई दर में गिरावट आई है। खाद्य महंगाई दूसरी बार निगेटिव रही, जुलाई में यह -1.8 फीसदी रही, जबकि जून महीने में यह -1.1 फीसदी रही थी। ग्रामीण इलाकों में खुदरा महंगाई जुलाई में 1.18 फीसदी रही है, जून में यह 1.72 फीसदी रही थी। वहीं, शहरी इलाकों में यह 2.56 फीसदी से घटकर 2.05 फीसदी पर आ गई है। खुदरा महंगाई दर फरवरी से रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के लक्ष्य 4 फीसदी से नीचे है। रिजर्व बैंक ने हाल ही में मौद्रिक समीक्षा में पूरे वित्त वर्ष की महंगाई का अनुमान घटाकर 3.1 फीसदी कर दिया है, जो पहले 3.7 फीसदी था। आरबीआई को उम्मीद है कि दूसरी तिमाही में औसत महंगाई 2.1 फीसदी रहेगी, जबकि तीसरी तिमाही में 3.1 फीसदी और चौथी तिमाही में यह 4.4 फीसदी रहेगी।

विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा में खान एवं खनिज संशोधन विधेयक पारित

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 2025 को विपक्ष के भारी हंगामे के बीच पारित कर दिया गया। यह विधेयक वर्ष 1957 के खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम का संशोधित है और इससे खनन क्षेत्र से संबंधित कई महत्वपूर्ण सुधारों का मार्ग प्रशस्त होगा। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने यह विधेयक सदन में विचार एवं पारित करने के लिए प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि यह संशोधन न केवल भारत में बल्कि अपतटीय क्षेत्रों और भारत के बाहर भी खनिजों के अन्वेषण और विकास को सक्षम बनाएगा। विधेयक के तहत राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण ट्रस्ट (एनएमईटी) का नाम बदलकर राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण एवं विकास ट्रस्ट रखने का प्रस्ताव है ताकि इसके विस्तारित कार्यक्षेत्र को स्पष्ट रूप से

दर्शाया जा सके। ट्रस्ट को अब भारत के बाहर खनिज विकास गतिविधियों में भी निवेश करने की अनुमति होगी। इसके अतिरिक्त, पट्टेदारों द्वारा देय रॉयल्टी की वर्तमान दो प्रतिशत राशि को बढ़ाकर तीन प्रतिशत करने का भी प्रावधान विधेयक में शामिल किया गया है, जिससे ट्रस्ट को अधिक संसाधन मिल सकें। बिहार में मतदाता सूची संशोधन (एसआईआर) को लेकर विपक्ष सदन में लगातार हंगामा कर रहा है। इसके बावजूद पीठासीन अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने सदन की कार्यवाही को सुचारु रूप से आगे बढ़ाते हुए विधेयक को ध्वनिमत से पारित करा दिया। इस दौरान तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा अपनी सीट से उठकर वेल में आ गईं, जिस पर पीठासीन पाल ने उन्हें कार्यवाही में बाधा न डालने की सलाह दी। इससे पूर्व, संसद में दिनभर एसआईआर मुद्दे को लेकर विपक्षी दलों ने नारेबाजी की और संसद भवन परिसर के बाहर प्रदर्शन भी किया। इसके बावजूद सरकार के प्रमुख विधेयकों को पारित हो गये।

सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। कीमत में गिरावट आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,01,390 रुपये से लेकर 1,01,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 92,940 रुपये से लेकर 93,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,14,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,01,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 93,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,01,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,01,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के

अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,01,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 92,940 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,01,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,01,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 93,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 92,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,01,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 93,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,01,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 92,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

आयकर विधेयक और कराधान विधि (संशोधन) विधेयक को संसद की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा ने आयकर विधेयक, 2025 और कराधान विधि (संशोधन) विधेयक, 2025 को लोकसभा को लौटा दिया। इसके साथ ही राज्यसभा की कार्यवाही 18 अगस्त सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित हो गयी। लोकसभा से ये दोनों विधेयक पहले ही पारित हो चुका है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इससे पहले राज्यसभा में आयकर विधेयक, 2025 और कराधान विधि (संशोधन) विधेयक, 2025 दोनों विधेयकों को एक साथ विचार और वापसी के लिए पेश किया। सीतारमण ने विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि जैसा जुलाई 2024 के केंदीय बजट में वादा किया था, करों से जुड़े नियमों और प्रावधानों को आसान बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम लोगों पर कर का बोझ नहीं बढ़ाएंगे। वित्त मंत्री ने सदन को बताया कि 2019 के बाद से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्पष्ट

निर्देश दिए हैं कि कोविड हो या न हो, हम लोगों पर कर का बोझ नहीं बढ़ाएंगे। एक पैसा भी नहीं बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि एक लाख रुपये हर महीने कमाने वालों को आय कर नहीं देना होगा, हमने ऐसे टैक्स का ढांचा तैयार किया है, राहत दी गयी है, दरों में कटौती की गयी है। राज्यसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जवाब देते हुए कहा कि 1961 के आयकर अधिनियम में कुल 819 धाराएं थीं, जो घटकर 536 रह गई हैं। इसी तरह अध्यायों की संख्या भी 47 थी, जिसे घटाकर 23 कर दिया गया है। उन?होंने बताया कि इस अधिनियम में पहली बार हमने पाठ्य विवरण के स्थान पर 39 नई तालिकाएं और 40 नए सूत्र शामिल किए हैं, जिससे लोगों के लिए इसे समझना आसान हो गया है। 1961 के अधिनियम की जगह करदाता-अनुकूल अधिनियम इस देश की वित्तीय प्रणाली के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। सीतारमण ने आयकर विधेयक, 2025 और कराधान विधि (संशोधन) विधेयक, 2025 पर चर्चा का उत्तर देते हुए कहा, मुझे आश्चर्य है कि विपक्ष इसमें भाग नहीं लेना चाहता है। अक्सर विपक्ष कहता है, आप कोई चर्चा नहीं करना चाहते, हम तो चर्चा करना चाहते हैं। विपक्ष ने कार्य मंत्रणा समिति में लोकसभा और राज्यसभा में 16-16 घंटे की बहस पर सहमति जताई थी।

प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में 3.95 फीसदी घटकर 6.64 लाख करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक 3.95 फीसदी घटकर 6.64 लाख करोड़ रुपये रहा। कर संग्रह में गिरावट की वजह रिफंड का अधिक होना है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आंकड़ों के जरिए बताया कि एक अप्रैल से 11 अगस्त के बीच सकल संग्रह (रिफंड से पहले) 1.87 फीसदी घटकर 7.99 लाख करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले की इसी अवधि में 8.14 लाख करोड़ रुपये था। इस दौरान शुद्ध कंपनी कर संग्रह लगभग 2.29 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि गैर-कंपनी कर (जिसमें व्यक्ति, हिंदू अविभाजित परिवार और कंपनी शामिल हैं) संग्रह 4.12 लाख करोड़ रुपये रहा। आंकड़ों के अनुसार, एक अप्रैल से 11 अगस्त के बीच प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) संग्रह 22,362 करोड़ रुपये रहा। सरकार का चालू वित्त वर्ष 2025-26 में प्रत्यक्ष कर संग्रह 25.20 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जो सालाना आधार पर 12.7 फीसदी अधिक है। सरकार का लक्ष्य वित्त वर्ष 2025-26 में एसटीटी से 78,000 करोड़ रुपये एकत्र करना है। प्रत्यक्ष कर में कंपनियों, व्यक्तियों, पेशेवरों और अन्य संस्थाओं की आय पर कर शामिल हैं।

अंबानी परिवार देश का सबसे अमीर कारोबारी घराना

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के अरबपति उद्योगपति मुकेश अंबानी की अगुवाई वाला अंबानी परिवार 28 लाख करोड़ रुपये की कुल संपत्ति के साथ सबसे समृद्ध कारोबारी घराना है, जबकि अडाणी परिवार 14.01 लाख करोड़ रुपये की कुल संपत्ति के साथ दूसरे स्थान पर है। शोध एवं रैंकिंग फर्म हुरुन ने जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। हुरुन की ओर से बार्कलेज के सहयोग से तैयार इस रिपोर्ट के मुताबिक अंबानी परिवार के पास 28 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति है। यह अडाणी परिवार की 14.01 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति से दोगुनी से भी अधिक है। हुरुन ने कारोबारी घरानों की संपत्ति में पिछले एक साल में आए बदलाव पर यह रिपोर्ट बार्कलेज के साथ मिलकर तैयार की है। इस रिपोर्ट में ये दावा किया गया है कि देश के 300 सबसे मूल्यवान भारतीय परिवारों के पास

1.6 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (140 लाख करोड़ रुपये) से ज?यादा की संपत्ति है। यह देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 40 फीसदी से भी अधिक है। वहीं, अकेले अंबानी परिवार की संपत्ति देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 12 फीसदी है। हुरुन-बार्कलेज की रिपोर्ट के मुताबिक अंबानी परिवार की संपत्ति में पिछले वर्ष 10 फीसदी की वृद्धि हुई। इससे यह देश में सबसे मूल्यवान पारिवारिक व्यवसाय के रूप में अपनी रैंकिंग बरकरार रखने में सफल रहा है। वहीं, अडाणी समूह पहली पीढ़ी के उद्यमी की ओर से शुरू किया गया देश का सबसे मूल्यवान व्यवसाय है। इसके साथ ही कुमार मंगलम बिड़ला के परिवार की दौलत में 20 फीसदी का इजाफा हुआ है, जिसकी बदौलत यह घराना अब तीसरे नंबर पर आ गया है। बिरला परिवार के पास अब 6.47 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति है। वहीं, जिंदल परिवार कुल 5.70 लाख करोड़ रुपये की दौलत के साथ चौथे नंबर पर पहुंच गया है। जिंदल परिवार की दौलत पिछले एक साल में 21 फीसदी बढ़ी है। बजाज परिवार की दौलत 21 फीसदी की गिरावट के साथ 5.64 लाख करोड़ रुपये रह गई और वे एक पायदान नीचे खिसककर पांचवे नंबर पर आ गए हैं।

पूरे दिन उतार-चढ़ाव के बाद लाल निशान में बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी

नई दिल्ली। पूरे दिन उतार-चढ़ाव सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी मामूली कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद दिन भर खरीदारों और बिकवालों के बीच खींचतान चलती रही, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में भी लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। पूरे दिन हुई खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 0.46 प्रतिशत और निफ्टी 0.40 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल और आईटी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होते रही। इसी तरह एनर्जी, मेटल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर रियल्टी, बैंकिंग और डिफेंस सेक्टर के शेयरों में आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसके अलावा कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल और एफएमसीजी इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए।आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 80 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 443.26 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 444.13 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 87 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो गया आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,204 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,065 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,977 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 162 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,698 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,306 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,392 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 12 शेयर बढ़त के साथ और 18 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 19 शेयर हरे निशान में और 31 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

अमेरिकी आयात शुल्क का सबसे ज्यादा नुकसान हीरा, कालीन, झींगा निर्यातकों को: रिपोर्ट

नई दिल्ली। बाजार अध्ययन और साख निर्धारण कंपनी क्रिसिल ने एक रिपोर्ट में कहा है कि अमेरीका द्वारा भारत पर लगाये गये अतिरिक्त आयात शुल्क का सबसे ज्यादा नुकसान हीरा, कालीन, झींगा और घरों के लिए टेक्सटाइल का निर्यात करने वाले उद्योगों को होगा। क्रिसिल ने जारी एक रिपोर्ट में बताया कि 01 अगस्त से 25 प्रतिशत अतिरिक्त आयात शुल्क के बाद 27 अगस्त से दंड स्वरूप लगने वाले आयात शुल्क के कारण अमेरिका को भारत से निर्यात काफी महँगा हो जायेगा। सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले सेक्टरों में हीरे की तराशी का काम करने वाला उद्योग, झींगा, चादर-पर्दे, कालीन आदि के निर्यातक शामिल हैं। इनके अलावा सिले-सिलाये वस्त्र, रसायन, कृषि-रसायन, पूँजीगत वस्तुओं और सौर पैनल का विनिर्माण भी काफी प्रभावित होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि किस सेक्टर पर किस हद तक प्रभाव पड़ेगा यह इस बात पर निर्भर करता है कि उसका अमेरिका में निर्यात कितना है और वह बढ़े आयात शुल्क में से कितना बोझ ग्राहकों पर डाल सकता है। उसने कहा है कि विभिन्न देशों में ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाये गये आयात शुल्क से वैश्विक व्यापार का तानाबाना पूरी तरह बदल जायेगा।

आरबीआई के दिशा-निर्देश बहुभाषी ग्राहक संचार और त्वरित शिकायत निवारण करते हैं सुनिश्चित: पंकज चौधरी

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने दिशा-निर्देशों के माध्यम से ग्राहकों से बहुभाषी संचार और बैंकों की ओर से शिकायत का तुरंत निवारण सुनिश्चित किया है। केंदीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। केंदीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सदन को बताया कि आरबीआई ने समय-समय पर इस बात पर जोर दिया है कि बैंकों को स्पष्टता और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए ग्राहकों से उनकी पसंदीदा भाषा में ही संवाद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बैंकों में ग्राहक सेवा पर आरबीआई के मास्टर सर्कुलर में अन्य दूसरी बातों के साथ-साथ यह भी कहा गया है कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की शाखाओं में ग्राहकों से संबंधित सभी जानकारी हिंदी अंग्रेजी और इससे जुड़ी क्षेत्रीय भाषा में उपलब्ध कराई जानी चाहिए। पंकज चौधरी ने सदन को बताया कि इसके अतिरिक्त आरबीआई ने 30 सितंबर, 2024 के अपने पत्र में दोहराया कि ग्राहकों

के साथ सभी संवाद अनिवार्य रूप से त्रिभाषी प्रारूप हिंदी, अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषा में जारी किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी बैंकों के पास शिकायतों के समाधान के लिए एक मजबूत बोर्ड-अनुमोदित शिकायत निवारण तंत्र उपलब्ध है। इसके अलावा रिजर्व बैंक एकीकृत लोकपाल योजना (आरबी-आईओएस), 2021 सेवा में कमी से संबंधित मामलों में आरबीआई-विनियमित संस्थाओं (आरई) के खिलाफ शिकायतों के निवारण हेतु एक निःशुल्क मंच प्रदान करती है, यदि शिकायत का निवारण नहीं किया जाता है या आरई की ओर से निर्धारित समय-सीमा के भीतर जवाब नहीं दिया जाता है।वित्त राज्य मंत्री ने कहा कि सरकार ने केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) पोर्टल के जरिए जून 2022 से एक फीडबैक कॉल सेंटर शुरू किया है, ताकि शिकायतों के निपटान के बाद नागरिकों की संतुष्टि का आकलन किया जा सके।

उन्होंने बातया कि फीडबैक डेटा आखिरकार उचित कार्रवाई के लिए संबंधित बैंकों को भेज दिया जाता है। इसके अलावा आरबीआई का टोल-फ्री संपर्क केंद्र 14448, जो नवंबर 2021 से चालू है, शिकायत निवारण सिस्टम, शिकायत दर्ज करने में सहायता और मौजूदा मामलों पर अपडेट प्रदान करता है। इसके साथ ही संपर्क केंद्र (सीसी) इंटरएक्टिव वॉयस रिस्पांस सिस्टम (आईवीआरएस) के माध्यम से 24*7 उपलब्ध है। वहीं, सीसी कर्मचारियों से जुड़ने की सुविधा सोमवार से शनिवार (राष्ट्रीय अवकाशों को छोड़कर) सुबह 8:00 बजे से रात 10:00 बजे तक हिंदी, अंग्रेजी और दस क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध है।

सुनील कुमार खुराना को नोएडा में मिला राष्ट्र गौरव सम्मान 2025

सुनील कुमार खुराना उच्च प्राथमिक विद्यालय बाधी नकुड़ सहारनपुर में सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत है। वह जन्म से ही जिज्ञासु प्रवृत्ति के व्यक्ति रहे हैं। वह कहते हैं कि यदि अपने जीवन में कुछ करना है तो मौन रहकर अपने जीवन को साकार करें।

सुनील कुमार खुराना के दिल में आगे बढ़ने की आग थी कि किस प्रकार विश्व में अच्छे लोग पैदा हुए। वें सोचते रहते थे कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कैसे महापुरुषों के व्यक्तित्व की चमक बनी। आज उनकी सोच ने उनको साहित्य के क्षेत्र में एक नई पहचान दिलाई है।

समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया ने सातवें राष्ट्र गौरव सम्मान समारोह नोएडा में देश के नौ राज्यों की 70 हस्तियों को सम्मानित किया है। 15 अगस्त 2025 की शुभ संध्या पर इस समारोह में सहारनपुर की तहसील नकुड़ के उच्च प्राथमिक विद्यालय बाधी नकुड़ सहारनपुर के सुनील कुमार खुराना को राष्ट्र गौरव सम्मान 2025 से सम्मानित किया है। समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और संस्थापक महोदय के द्वारा सुनील कुमार खुराना को राष्ट्र गौरव सम्मान 2025 शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में विशेष अतिथि पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त निदेशक रवींद्र कुमार ने राष्ट्र गौरव प्रतिभा सम्मान समारोह को समाज की उन्नति व लोगों की मेहनत का प्रतीक बताते ही कहा कि गौरवशाली परंपरा का हिस्सा बनना एक महत्वपूर्ण अनुभूति है। उन्होंने संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व को बधाई करते हैं हुए कहा कि जितेंद्र बच्चन ने सिद्ध किया है कि विकसित समाज ही सशक्त समाज की नींव है। आयोजन के माध्यम से संस्था आने वाली पीढियां को दिशा देने का कार्य कर रही है। कॉलेज पार्क-3 स्थित पीआईआईटी कॉलेज नोएडा के सभागार में आयोजित भव्य राष्ट्र गौरव सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव डॉक्टर जितेंद्र बच्चन ने देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए कहा कि जब हम किसी व्यक्ति की मेहनत और उपलब्धियां को सार्वजनिक रूप से सम्मानित करते हैं तो सिर्फ उनका मनोबल नहीं बढ़ाते बल्कि समाज के अन्य लोगों को भी आगे बढ़ाने की प्रेरणा मिलती है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गौतम बुद्ध नगर के एडीएम बच्चू सिंह रहे विशेष अतिथि पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय भारत सरकार किस निदेशक रवींद्र कुमार और विशिष्ट अतिथि के तौर पर पीआईआईटी कॉलेज के अध्यक्ष एवं एसकेएफआई के मुख्य शिक्षक प्रोफेसर डॉक्टर भरत सिंह एसकेएफआई के महानिदेशक डॉक्टर आलोक कुमार समाजसेवी एवं शिक्षाविद अजीत सिंह बैंसला,डॉक्टर देव सिंह ,हुकम सिंह देश राजन,समाजसेवी अमृता मौर्य उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता कुमाऊं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉक्टर बीएस राजपूत ने की।

जल सहिया व स्कूली बच्चों ने निकाला स्वच्छता अभियान

ईचागढ़/ सरायकेला-खरसावां जिला के ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के जल सहिया व अनुग्रह नारायण प्लस टू उच्च विद्यालय पिलीद के बच्चों ने संयुक्त रूप से तिरंगा झंडा के साथ स्वच्छता जागरूकता अभियान का झांकी निकाली। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आ''ान पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा यात्रा एवं स्वच्छता अभियान का स्लोगन के साथ ए एन प्लस टू उच्च विद्यालय पिलीद से मिलन चौक एवं सितु बाजार तक विशाल रैली निकाली और लोगों को घर घर तिरंगा झंडा लगाने एवं स्वच्छता को अपनाने का अपील किया। तिरंगा यात्रा सह स्वच्छता जागरूकता अभियान का नेतृत्व प्राचार्य मिताली एवं मास्टर जल सहिया अश्रिता एवं जलेश्वरी देवी ने किया। घर घर तिरंगा लहराना है, स्वच्छता को अपनाना है ,बंदे मातरम आदि नारों से वातावरण गुंजायमान रहा। मौके पर शिक्षक रमाकांत महतो, गुरू चरण सरदार, प्रशांत धाड़ा, चन्द्र प्रकाश, भारती देवी , रेवती महतो,अंम्बालिका , बबीता,तरूलता, कल्पना, कल्याणी सहित सैकड़ों बच्चे उपस्थित थे।

विजयी विश्व तिरंगा प्यारा

न्यूज धमाका।

दुनिया में प्रत्येक देश का अपना-अपना राष्ट्रीय ध्वज होता है। भारत का भी अपना राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा है।

सन्-1931 में सर्व भारतीय कांग्रेस ने राष्ट्रीय ध्वज निश्चित करने के लिए एक कमेटी बनाई, जिसमें पंडित जवाहर लाल नेहरू के अलावा सरदार वल्लभ भाई पटेल, मौलाना अबुल कलाम आजाद, मास्टर तारा सिंह, डाक्टर पट्टाभि सीतारमैया, डॉ. हार्डिकर तथा काका कालेलकर सदस्य थे। हालांकि सबसे पहले श्रीमती कामा ने विदेश में एक कान्फ्रेंस में अपना बनाया हुआ एक तिरंगा भारत के झंडे के रूप में प्रस्तुत किया था, परंतु भारत का राष्ट्रीय ध्वज बनाने की कहानी प्रसिद्ध आयरिश नेत्री 'मिसेज एनी बेसेंट' से शुरू होती है। उन्होंने यह सुझाव दिया था कि भारत का झंडा आधा हरा तथा आधा लाल हो, ताकि इसमें हिंदू व मुसलमान दोनों को बराबर का स्थान दिया जा सके। इसके बाद आंध्रप्रदेश में सर्व भारतीय कांग्रेस कमेटी की मीटिंग हुई। इस मीटिंग में लोगों ने तरह-तरह के कागज के झंडे के नमूने प्रस्तुत किए। तब महात्मा गांधी जी ने यह सुझाव दिया कि इस झंडे में तीन रंग होने चाहिए। लाल रंग हिंदुओं का, हरा रंग मुसलमानों का तथा सफेद रंग इन दोनों की उदारता का प्रतीक हो तथा इनके बीच में चरखे का चिन्ह होना चाहिए। महात्मा गांधी जी द्वारा दर्शाये गये झंडे का प्रचार सारे देश में बहुत हुआ, परंतु इसे कांग्रेस द्वारा स्वीकृति नहीं मिली। कांग्रेस की स्वीकृति प्राप्त करने के लिए एक कमेटी नियुक्त की गई। इस कमेटी में काका कालेलकर ने यह सुझाव दिया कि झंडे के चारों तरफ लाल रंग हो तथा इसमें हरा-सफेद रंग भी हो तथा सफेद रंग के बीच में ही चरखा बनाया जाए। पंडित जवाहर लाल नेहरू ने काका कालेलकर का सुझाव नामंजूर कर दिया तथा महात्मा गांधी द्वारा दिये गये सुझाव वाला झंडा ही पसंद किया, परंतु साथ ही पंडित जवाहरलाल नेहरू ने यह सुझाव दिया कि सफेद पट्टी ऊपर होने के बजाय बीच में होनी चाहिए, क्योंकि अगर सफेद पट्टी ऊपर हुई तो आकाश के साथ एक रूप हो जाएगी, तथा स्पष्ट नजर नहीं आएगी।

कुछ सदस्यों ने यह भी सुझाव दिया कि राष्ट्रीय झंडे पर चरखे का चिन्ह नहीं होना चाहिए परंतु इसका विरोध काका कालेलकर ने किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय झंडे के ऊपर बंदूक, तलवार, शेर, घोड़ा आदि चिन्ह नहीं होने चाहिए। क्योंकि चरखा मनुष्य को कपड़े प्रदान करता है, इसलिए चरखे का चिन्ह होना जरूरी है। मौलाना आजाद ने यह सुझाव दिया कि चरखे की जगह कपास का फूल होना चाहिए जो खादी का सूचक होगा। इस पर श्री काका कालेलकर ने कहा कि कपास का फूल ईश्वर की देन है, चरखा मनुष्य जाति की कोशिशों का सूचक है। यह प्रगति का चिन्ह है। अहिंसा का प्रतीक है। फिर कुछ दूसरे वर्गों के प्रतीक के रूप में कुछ और रंग शामिल करने का प्रश्न उठा। अंत में केसरिया रंग स्वीकार किया गया तथा चरखे का चिन्ह सर्व सम्मति से मंजूर हो गया। सर्व भारतीय कांग्रेस कमेटी ने भी इस कमेटी के फैसले पर भरपूर बहस की। यह फैसला किया गया कि तिरंगा ध्वज बहुत दिनों से चला आ रहा है तथा राष्ट्र उसे पहले ही भावात्मक स्वीकृति दे चुका है, 'झंडा गीत' में भी तिरंगा शब्द आता है इसलिये राष्ट्रीय झंडा तिरंगा ही होना चाहिए, तथा बीच में सफेद रंग में ही चरखे का चिन्ह हो तथा सिखों को खुश करने के लिए यह निश्चित किया गया कि लाल रंग की जगह नारंगी रंग रखा जाएगा।

पंडित जवाहरलाल नेहरू ने यह सुझाव दिया कि इन रंगों के किसी धर्म या जाति से संबंधित न माना जाये, बल्कि ये राष्ट्रीय गुणों के प्रतीक होना चाहिए। महात्मा गांधी ने पंडित जवाहर लाल नेहरू का यह सुझाव मान लिया। अंत में हरा, सफेद तथा नारंगी तीन रंगों का झंडा ही मंजूर किया गया तथा सफेद रंग में चरखे का चिन्ह बनाने का फैसला किया गया। (विभूति फीचर्स)

स्वतंत्रता दिवसः स्वतंत्रता के संघर्ष में नारी शक्ति की भूमिका

न्यूज धमाका।

(अभिनव तिवारी -विभूति फीचर्स) विदेश में सर्वप्रथम भारतीय झंडा फहराने का श्रेय मैडम भीखाजी कामा को जाता है। मैडम भीखाजी का जन्म 18 सितम्बर, 1885 को मुम्बई के पास एक पारसी परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम सोराब जी पटेल और माता का नाम जीजाबाई था। उन पर देशसेवा का रंग 24 वर्ष की आयु में ही तब चढ़ गया था, जब वे इण्डियन नेशनल कांग्रेस के पहले अधिवेशन में गईं। उनकी इच्छा के विरुद्ध माता-पिता ने उनकी शादी तो कर दी किन्तु अपने पति रुस्तमजी के साथ उनकी बन नहीं पाई। वैवाहिक जीवन उन्हें अच्छा नहीं लगा, क्योंकि उन पर समाज और देशसेवा की धुन सवार थी। इंग्लैण्ड में बैरिस्टर श्यामकृष्ण वर्मा से मैडम कामा की मुलाकात हुई। बैरिस्टरजी ने वहां एक संस्था की स्थापना की थी, जो अंग्रेजों के खिलाफ भारतवासियों को संगठित करती थी, इस उद्देश्य की प्राप्ति की दिशा में भीखाजी कामा ने श्यामकृष्ण वर्मा के साथ काफी काम किया और जोशीले भाषण दिए। एक बार लंदन हाइड पार्क में उन्होंने बड़ा जोरदार भाषण दिया और अंग्रेजों की करतूतों का पर्दाफाश किया। उनके भाषण से अंग्रेज सरकार क्रुद्ध हो उठी और उसने उनकी गिरफ्तारी का इरादा बनाया।भीखाजी को पहले ही पता लग गया और वे चुपचाप लंदन से पेरिस चली गईं। पेरिस में उनकी मुलाकात लाला हरदयाल, सावरकर, वीरेन्द्र चट्टोपाध्याय और सापारेजी सकलापाला से हुई। जेनेवा में उन्होंने 'वंदे मातरम्' साप्ताहिक अखबार निकालना शुरू किया। 1907 में अमेरिका गईं, फिर जर्मनी तथा स्कॉटलैण्ड। वे जहां पहुंचीं, वहां की भाषा सीखकर अंग्रेजों के खिलाफ जोशीले भाषण देती रहीं, इसलिए अंग्रेजों ने उन्हें भारत लौटने की अनुमति नहीं दी।

जर्मनी में वे 1908 में समाजवादियों की परिषद में भारतीयों की प्रतिनिधि बनकर गईं, वहां सब देशों के राष्ट्रीय ध्वज फहराए गए। इस मौके पर उन्होंने यूनियन जैक की जगह अपना राष्ट्रीय ध्वज तैयार कर फहराया। इस राष्ट्रीय ध्वज में लाल, सफेद और हरे रंग की आड़ी पट्टियां थीं। पहले लाल रंग की पट्टी पर कमल का फूल और सात सितारे थे। बीच वाली सफेद पट्टी पर 'वंदे मातरम्' लिखा हुआ था। नीचे वाली हरी पट्टी पर सूर्य और अर्ध चन्द्र का चिन्ह था। सात सितारे सप्तर्षि की याद दिलाते थे। सूर्य और चन्द्र हिन्दू-मुसलमानों की एकता का चिन्ह और 'वंदे मातरम्' भारत का सूत्र था। यही हमारे देश का पहला राष्ट्रध्वज था।

मैडम भीखाजी के कार्यकलापों के कुछ और भी आयाम हैं। वे लंदन में भारत की मुक्ति के लिये सक्रिय काम करने के लिए गठित 'अभिनव भारत' संस्था की अग्रणी कार्यकर्ता थीं। 20 फरवरी, 1909 को लंदन सोसायटी की बैठक हुई, जिसमें मैडम कामा ने भी भाषण दिया। भाषण के पहले उन्होंने एक झंडा निकाला, इस झंडे को हाथ में पकड़कर मैडम कामा ने कहा, 'मुझे यह झंडा फहराकर और उसके नीचे खड़े होकर भाषण करने की आदत है। 1910 में जहाज से कूदने के बाद वीर सावरकर फ्रांस में गिरफ्तार हुए। मैडम कामा के प्रयत्नों से ही फ्रांस के अखबारों से सावरकर को छोड़ने का मुद्दा उठाया गया। 1914 में प्रथम विश्वयुद्ध आरंभ होने पर मैडम कामा भारतीय नेताओं के उस वर्ग में थीं, जिसने मित्र राष्ट्रों का साथ न देने का निश्चय किया। इस पर फ्रांस सरकार ने उन्हें कारागार में डाल दिया। 1918 में विश्वयुद्ध समाप्त होने पर ही भीखाजी को रिहा किया गया। इस दौर में उनका शरीर सूखकर कंकाल मात्र रह गया।

विश्वयुद्ध के दौरान मैडम कामा के विचारों ने भारतीय सेना के हृदय में सोई हुई चिंगारी प्रज्वलित कर दी और वे इंग्लैण्ड के विरुद्ध हो गए। इस युद्ध के दौरान जितने भी सैनिक अंग्रेजी साम्राज्यवादियों द्वारा बंदी बना लिए गए, श्रीमती कामा ने सबको रिहा करने का प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र के सामने रखा था।

कामा को विदेशों में रहते-रहते वर्षों बीत चुके थे। अब वे चौहत्तर वर्ष की वृद्धा हो गई थीं और भारत आने के लिए आकुल थीं। गणमान्य व्यक्तियों के प्रयासों के फलस्वरूप मैडम कामा को अंग्रेज सरकार ने भारत लौटने की अनुमति दे दी। बीमार अवस्था में वे मुम्बई पहुंचीं। यहां सात-आठ साल तक एक अस्पताल में जीवन-मृत्यु के बीच झूलती रहीं और भारत की आजादी का सपना देखती रहीं। 13 अगस्त, 1936 को वीरांगना भीखाजी कामा का मुंबई में पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन हो गया। जो रचनाकार की इन पंक्तियों में समाहित है-

जब अबला सबला बनकर- बिजली की भांति कड़कती।
तब शत्रु हृदय की धमनी - दे पीड़ा विषम धड़कती।

आज जब सभी ओर अपने कर्तव्यों का ध्यान न देते हुये केवल अधिकार चाहिए, के नारे से सभी वर्ग गुंजायमान हो रहे हैं, प्रगतिशीलता के युग का यह अर्थ नहीं है कि हमारे जिन पूर्वजों ने अपना खून देकर जीवनदान दिया या अपनी लेखनी से उसको जीवित रखा, उनको गुमनामी के अंधेरे में विलुप्त कर दें।

एक युग ऐसा भी था, जब देश के शीर्षस्थ विद्वान जगद्गुरु आदि शंकराचार्य तथा आचार्य मंडन मिश्र के जगप्रसिद्ध शास्त्रार्थ की निर्णायिका के रुप में दोनों पक्षों ने परम विदुषी भारती (मण्डन मिश्र की पत्नी) को ही मान्यता दी थी। शकुन्तला ने भरत जैसे पुत्र को इतना प्रतिभाशाली बनाया कि देश का नाम भारतवर्ष रखा गया। महाराष्ट्र की आदर्श माता जीजाबाई ने शिवाजी जैसे पुत्र को देशप्रेम की ऐसी शिक्षा-दीक्षा दी कि उन्हें राष्ट्रमाता का दर्जा मिला।

महात्मा गांधी को बचपन में उनके रामराज्य स्थापित करने की कल्पना को माताजी ने रोजाना रामायण सुना-सुनाकर उनके मन-मस्तिष्क में भर दिया था। देश की आजादी के आन्दोलन में उसी पर आधारित रामराज्य स्थापित करने का मुख्य नारा लगा। झांसी की रानी लक्ष्मीबाई का बचपन बिठूर प्रवास में सैन्य शिक्षा-दीक्षा में बीता। आगे चलकर वह वीरांगना नारी अंग्रेजी सेना से मुठभेड़ में ग्वालियर में शहीद हुई। उनकी हमशक्ल सहयोगी झलकारीबाई का बलिदान भी स्वर्णाक्षरों में लिखा गया। दक्षिण की प्रमुख सेनानी रानी चेन्नम्मा से सभी परिचित हैं।

अहिल्याबाई ने अपनी होल्कर राज्य की सुव्यवस्थित शासन-व्यवस्था को देखते हुए देश के प्रमुख तीर्थ स्थानों के देवालयों को पुनर्निर्मित करा धरोहरों को सुरक्षित रखा। रजिया बेगम तथा लखनऊ की बेगम हजरत महल की कहानियां बहुचर्चित हैं। 1857 में नर्तकी बन अजीजनबाई कानपुर के नानाराव पार्क में स्थित अंग्रेजों के क्लब 'बीबीघर' में सुरापान करा के युद्ध की आगामी योजनाओं की जानकारी लेती थीं। अंग्रेजों की इन गुप्त सूचनाओं की पूर्व जानकारी नित्य घोड़े पर सवार होकर प्रातः मुंहबोले भाई क्रांति नायक नानाराव पेशवा को देती रहती थीं। इधर, हैबलाक जैसे क्रूर अंग्रेज सैन्य अधिकारी जो इलाहाबाद से कानपुर आते समय मार्ग के गांवों में आग लगाने के साथ ही नर-नारी एवं बच्चों की हत्या का तांडव मचाए हुए था। हैवलाक के इन वीभत्स हत्याकांडों को अजीजनबाई बर्दाश्त न कर सकी। उसने नानाराव पार्क (पूर्व कम्पनी बाग) स्थित कुएं (अंग्रेजों के क्लब 'बीबीघर') में अंग्रेजों के 210 लोगों को मौत के घाट उतारकर उस कुएं में डलवाया। इस विशाल कुएं का नाम 'मेमोरियल वेल' रखा गया, जो इस समय ऊपर से बंद कर दिया गया है। सर्वप्रथम कानपुर की चर्चा लंदन की ब्रिटिश पार्लियामेंट में इस घटना को लेकर और दूसरी चर्चा बिठूर के किले में अंग्रेज सैन्य अधिकारी ने नानाराव पेशवा की दत्तक पुत्री मैनावती को देखते ही क्यों नहीं गोली मारी पर हुई। आरोप लगाया गया कि वह सैन्य अधिकारी सुन्दर कन्या मैनावती पर मोहित हो गया था। इसका विवरण कानपुर में नानाराव पार्क में स्थापित शिलालेख में अंकित है। कलम और कारागार दोनों का समान उपयोग करने वाली खूब लड़ी मर्दानी वह तो झांसी वाली रानी थी, की चर्चित सेनानी कवियित्री सुभद्रा कुमारी चौहान तथा उनकी सहेली सेनानी हिन्दी काव्यधारा की प्रतीक महादेवी वर्मा को क्या कभी विस्मृत किया जा सकता है? क्रान्तिकारी तथा राजनैतिक कार्यकलापों में नारी शक्ति ने एक अलग इतिहास बनाया है। (विभूति फीचर्स)

स्वतंत्रता आंदोलन में लंदन में गरजा शेर -मदन लाल ढींगरा

न्यूज धमाका।

देश की आजादी में प्राणों की आहुति देने वाले मदन लाल ढींगरा का अलग स्थान है। इंग्लैंड में कर्जन वायली की गोली मारकर हत्या कर फांसी के फंदे को हंसते-हंसते गले लगाने वाले मदन लाल ने स्वतंत्रता संग्राम की चिंगारी को आग में बदल दिया था। स्वतंत्रता आंदोलन में मह्तवपूर्ण भूमिका निभाने वाले मदन लाल ढींगरा।स्वाधीनता के लिए संघर्ष के लिए मदन लाल ढींगरा के तरीके से कोई सहमत हो या न हो, लेकिन इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि वह भगत सिंह जैसे शहीद-ए-आजम के लिए प्रेरणा का स्रोत बने और ऊधम सिंह जैसे क्रांतिकारी के लिए पथ प्रदर्शक। ढींगरा जब ब्रिटेन के इंपीरियल इंस्टीट्यूट में कर्नल वायली पर गोलियां बरसा रहे थे तो वो देश के उन नौजवान क्रांतिकारियों के अंदर स्वाभिमान भर रहे थे जिसके कारण ये युवा स्वाधीनता का स्वप्न देखने लगे थे। ऐसे नौजवानों की बहुत बड़ी जमात उस वक्त देश में थी जिसको ढींगरा ने अपने कृत्य से प्रभावित किया।मदन लाल ढींगरा भी चाहते तो अपने भाइयों की तरह ऐश-ओ-आराम की जिंदगी बसर कर सकते थे। वह अपने सात भाइयों में छठवें नंबर पर थे। कालेज के दिनों में ही उनके अंदर स्वराज की भावना घर करने लगी थी। महात्मा गांधी ने तो बाद में स्वदेशी को स्वराज की आत्मा बताया, लेकिन उसके पहले से ही मदन लाल ढींगरा इसको जीने लगे थे। उन्होंने छात्र जीवन में ही कालेज की कोट का बहिष्कार कर दिया था, क्योंकि उसका कपड़ा ब्रिटेन से आया था। उनके इस कदम ने अन्य छात्रों के अंदर भी स्वदेशी की भावना जगाई। कालेज प्रशासन ने उन पर कार्रवाई की और कालेज से निकाल दिया, लेकिन वो स्वदेशी को लेकर अड़े रहे।

ढींगरा के जीवन में ऐसा ही दिन मई 1907 में आया, जब लंदन की सड़कों पर घूमते-घूमते एक दिन मदन लाल इंडिया हाउस पहुंच गए। उस समय भारत की दुर्दशा पर वीर सावरकर का भाषण चल रहा था। भारत से लंदन पढ़ने आए विद्यार्थी इसे बड़े गौर से सुन रहे थे। मदन लाल भी पीछे जाकर बैठ गए। वह सावरकर के भाषण से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने भी भारतीय छात्रों के साथ इंडिया हाउस में रहने का संकल्प ले लिया।

उस समय वहां अन्य प्रमुख भारतीयों में नीति सेन दास, अली खान, विनायक दामोदर सावरकर, महादेव बापट, वीरेंद्रनाथ चट्टोपाध्याय, हरनाम सिंह अरोड़ा, बीबीएस नैयर, गोविंद अमीन, गंडुरंग आदि रह रहे थे। मदन लाल ने अपने पिता डा. दित्तमल और भाइयों की तुलना यहां के लोगों से की। बस यहीं से युवा मदन लाल के मन में अंग्रेजों के प्रति नफरत पनपने लगी और वह भारत की आजादी के लिए दृढ़ संकल्पित हो गए।

वह हमेशा अंग्रेजों से उनके द्वारा दी जा रही यातनाओं का बदला लेने की बात करते। कहते हैं कि एक दिन सावरकर ने उनकी परीक्षा लेने के लिए उनसे हाथ आगे करने को कहा। मदन लाल ने हाथ आगे कर दिया। सावरकर ने उनके हाथ में सूआ गाड़ दिया, लेकिन इस पंजाबी सपूत ने आह तक नहीं भरी। सूआ निकाल लिया तो दोनों की आंखों में आंसू भर आए।

अंग्रेजों ने इंडिया हाउस में बढ़ती मदन लाल की गतिविधियों की खबरें उनके पिता डा. दित्तमल तक पहुंचानी शुरू कर दीं। इससे उनके पिता बहुत नाराज हुए। उन्होंने बेटे को उपदेश भरे कई पत्र लिखे, लेकिन मदन लाल अपने पथ से नहीं डगमगाए। उनका प्रत्येक निर्णय सुविचारित रहा। प्रसिद्ध इतिहासकार एमएम जुनेजा अपनी किताब में लिखते हैं कि- 'ढींगरा का मानना था कि कई बार गैर-जिम्मेदार तरीके से काम करने पर सोच-समझकर किए जाने वाले काम का रास्ता बंद हो जाता है जैसा कि स्वाधीनता के प्रथम संघर्ष के अवसर पर मंगल पांडे ने एक छोटी सी बात पर उत्तेजित होकर एक महान योजना को खटाई में डाल दिया था।'

सारा भारत बना परिवार मदन लाल ढींगरा के बारे में अक्सर लोग यह सवाल करते हैं कि उन्होंने ब्रिटिश सेना के कर्जन वायली को क्यों मारा? दरअसल, ढींगरा कर्जन वायली को भारतीयों पर किए जा रहे अत्याचारों के लिए दोषी मानते थे। इसीलिए उन्होंने कर्जन वायली को मारा था। उनकी दृष्टि में यह अन्याय का प्रतिकार करना था। कर्जन वायली को मारने पर भारत में भी मिली-जुली प्रतिक्रिया ही मिली थी। एमएम जुनेजा ने अपनी पुस्तक में लिखा है कि गांधी जी ने जोहांसबर्ग से छपने वाले अपने पत्र 'इंडियन ओपिनियन' में भी इसी प्रकार की प्रतिक्रिया दी और कहा था, 'कर्जन वायली की हत्या हुई, यह भयंकर काम हुआ है। इससे भारत की बहुत हानि हुई है। यह कृत्य हमारे विचार से अनुचित है। हालांकि उन्होंने दूसरों की बातों के आधार पर विचार निर्मित करके यह काम किया। इसलिए मैं उनको निर्दोष मानता हूं।'

दूसरी ओर इंडिया हाउस के संस्थापक श्यामजी कृष्ण वर्मा की नजरों में उन्होंने वह काम किया था जो साम्राज्यवाद के शिकार अन्य देशों के लिए भी प्रेरणास्रोत बना। इतिहास इस बात का गवाह है कि मदन लाल शायद एकमात्र ऐसे क्रांतिकारी शहीद हैं जिनके स्वजनों ने उन्हें अपने वंश को कलंकित करने वाला बताया। शायद इसी कारण क्रांतिकारियों का इतिहास लिखने वाले श्रीकृष्ण सरल को लिखना पड़ा, 'क्या हुआ जो मदन लाल ढींगरा को स्वयं उनके पिता और भाइयों ने अस्वीकार कर दिया, पर करोड़ों भारतीयों ने तो उन्हें अपनी पूरी श्रद्धा के साथ अपना लिया है। सारे संसार में जहां-जहां भारतीय थे, मदन लाल ढींगरा उन सबके प्रिय बन गए।' शहादत और प्रभाव

17 अगस्त, 1909 को पेंटनविले जेल में मदनलाल धींगड़ा को फाँसी दे दी गई। मात्र 26 वर्ष की आयु में उन्होंने अपने प्राणों की आहुति दे दी। उनकी शहादत का भारत में व्यापक प्रभाव पड़ा। अनेक युवकों ने उनसे प्रेरणा लेकर स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया। मदनलाल धींगड़ा एक आदर्शवादी, निडर और दृढ़संकल्पित व्यक्तित्व के धनी थे। वे अत्यंत बुद्धिमान थे और अपने उद्देश्यों के प्रति पूर्णतः समर्पित थे। उनमें गहरी देशभक्ति और त्याग की भावना थी। वे व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं की परवाह न करते हुए राष्ट्रहित में सब कुछ न्योछावर करने को तैयार थे।मदनलाल धींगड़ा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रथम शहीद थे जिन्होंने विदेशी धरती पर अपनी जान गँवाई। उनके बलिदान ने यह संदेश दिया कि भारतीय युवा अब केवल निष्क्रिय प्रतिरोध से संतुष्ट नहीं है, बल्कि सक्रिय संघर्ष के लिए तैयार है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की स्वतंत्रता के संघर्ष को पहचान दिलाई।

आधुनिक संदेश

आज भी मदनलाल धींगड़ा का व्यक्तित्व और उनका बलिदान हमें प्रेरणा देता है। उन्होंने सिखाया कि राष्ट्रहित में व्यक्तिगत हितों का त्याग करना पड़ता है। उनका जीवन युवाओं के लिए एक आदर्श है कि कैसे दृढ़ संकल्प और साहस से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता]उन्होंने अपने छोटे से जीवन में जो साहस, त्याग और बलिदान दिखाया, वह सदियों तक युवाओं को प्रेरणा देता रहेगा। उनकी शहादत व्यर्थ नहीं गई, बल्कि उसने स्वतंत्रता संग्राम की ज्वाला को और भी तेज़ कर दिया। आज जब हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं, तो हमें मदनलाल धींगड़ा जैसे महान् बलिदानियों को सदा याद रखना चाहिए और उनके आदर्शों पर चलकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए।मदनलाल धींगड़ा न केवल एक क्रांतिकारी थे, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत भी हैं। उनका नाम भारतीय इतिहास में सदैव अमर रहेगा।

67 साल बाद भारत आया था शव का अवशेष

करीब डेढ़ महीने के अंदर ही मदन लाल ढींगरा को दोषी करार दे दिया गया और 17 अगस्त 1909 को पेंटोविल जेल (ढील्ल३ङ्म५'' ी ढ१२ङ्मल्ल) में उन्हें फांसी दे दी गई। ढींगरा के शव को लंदन में ही दफना दिया गया था। 1976 में ढींगरा के शव के अवशेष को भारत लाया गया और अमृतसर के मल्ल मंडी इलाके में अंतिम संस्कार किया गया था।

वरुण कुमार
सदस्य, तुलसी भवन
बिस्टुपुर जमशेदपुर झारखंड
Mob. 90977 49224